आश्विन शुक्ल पक्ष-05, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 105 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

07 अक्टूबर 2024 सोमवार

आज का मौसम

33 अधिकतम

22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

पांच दिन की गिरावट के बाद बाजार संभला, सेंसेक्स तेज

मुंबई, एजेंसी।

ईरान-इजरायल में जारी जंग का असर बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट के रूप में देखने को मिला था और आज नये कारोबारी दिन भी यही आशंका थी लेकिन आज पहले दिन सोमवार को इस पर ब्रेक लग गया और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा उछल गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी तेजी के साथ खुला और फिर इसकी रफ्तार बढ़ती चली गई. इस बीच कोटक और आईसीआईसीआई शेयर तूफानी तेजी का साथ भागे। आज सुबह ही पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों के बीच सेंसेक्स-निफ्टी जोरादार तेजी के साथ भागे।

दशहरे बाद फूट सकता है बिहार में सियासी बम

भाजपा से दूरी बना रहे नीतीश

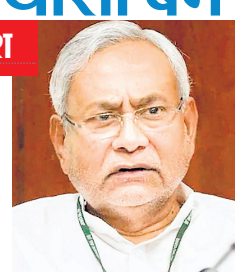

पटना, एजेंसी।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी पारा चढ़ने लगा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी के बीच दूरियां बढ़ती दिख रही हैं। इसी बीच लोजपा-आर अध्यक्ष चिराग पासवान ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की है, जिससे बिहार की राजनीति में हलचल तेज है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नीतीश कुमार पिछले कुछ दिनों से बीजेपी कोटे के मंत्रियों से दूरी बनाए हुए हैं। यहां तक कि उन्होंने इन मंत्रियों से मुलाकात भी बंद कर दी है। मुख्यमंत्री के इस रवैये से बीजेपी भी हैरान है। अब चिराग ने शाह से मुलाकात कर सियासी पंडितों को कयास लगाने का मौका दे दिया है। चिराग ने खुद एक्स पर ट्वीट कर इस मुलाकात की जानकारी दी। चिराग ने आगे लिखा कि इस दौरान वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य और आने वाले दिनों में विभिन्न राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चाएं हुईं। नीतीश कुमार की जेडीयू और चिराग की लोजपा-आर दोनों ही दल बीजेपी के साथ मिलकर झारखंड चुनाव लड़ना चाहती हैं।

सभी एग्जिट पोल ने कांग्रेस को बताया है सरकार का प्रबल दावेदार

हरियाणा में भाजपा के इंतजामों के नए दावों से सियासी पारा हाई

कुछ भी हो सकता है फैक्टर फिर उभरा

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी।

अब दो अहम राज्यों के चुनावी मुकाबले के नतीजों में बीस घंटे से भी कम वक्त बचा है। एग्जिट पोल के नतीजों के बाद भी असल नतीजों को लेकर कुछ दावों के बाद सस्पेंस बढने लगा है। दरअसल, हरियाणा में भाजपा सरकार के सीएम नायब सिंह सैनी ने यह कह दिया है कि 'हमारे पास सारी व्यवस्थाएं हैं, सारे इंतजाम है।' उधर हरियाणा की 30 सीटों को बहुत कांटेदार माना जा रहा है, जानकारों का मानना है कि यदि यहां नतीजे एग्जिट पोल अनुमानों के उलट रहे तो मामला फंस भी सकता है। कल सुबह से हरियाणा व जम्मू कश्मीर के चुनाव के नतीजे आने लगेंगे।

हुड्डा ने कहा सेनी को जलेबी भेजूंगा: इस बीच आज सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी कांग्रेस के नेताओं के बीच जुबानी जंग का एक नया चैप्टर शुरू हो गया है। दोनों दलों के नेता अपनी-अपनी जीत और सरकार बनाने के दावे कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बेटे और कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने चुनावों में जीत के साथ सरकार बनाने का दावा किया है तो उनके सांसद बेटे दीपेंद्र हुड्डा एक्स पर जलेबी को लेकर भिड़ गए और पोस्ट करते हुए कहा कि नायबजी आप चिंता न करें। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनाकर उसी गोहाना के जलेबी का डिब्बा 8 तारीख की शाम हम याद से आपके पास भी जरूर भेजेंगे। हुड्डा ने ये पोस्ट हरियाणा भाजपा के उस वीडियो को रीट्वीट करते हुए लिखा है जिसमें सीएम सैनी राहुल गांधी के जलेबी वाले बयान को लेकर तंज करते दिख रहे हैं।

क्य हैं इंतजाम.. ?

असल में हरियाणा के मुख्यमंत्री ने अब यदि इंतजाम की बात कही है तो इसके पीछे भाजपा की त्वरित निर्णय और हर समय एक्शन मोड में रहने वाली इमेज को भी जोडा जा रहा है। 2019 के हरियाणा चुनाव में कांग्रेस हंग असेंबली की संभावनाएं टटोल रही थी तभी भाजपा ने दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी से हाथ मिला लिया था और सरकार बना ली। अब सैनी का संकेत उस तरफ ही होगा जानकार बताते है भाजपा की नजर चौटाला परिवार की मूल पार्टी अभय सिंह चौटाला की अगुवाई वाले इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) पर है। कहा जा रहा है कि आईएनएलडी को भाजपा संग लाने में हरियाणा लोकहित पार्टी (हलोपा) के अगुवा गोपाल कांडा की भूमिका अहम हो सकती है।

मप्र के सीएम यादव दिल्ली में, शाह संग बैठक

इधर मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज दिल्ली में हैं और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ नक्सलवाद की समस्या पर हो रही बैठक में हैं। इसमें कई नक्सल पीड़ित राज्यों के सीएम व डीजीपी मौजूद हैं। बैठक में नक्सलवाद के समूचे खात्मे को लेकर अगली रणनीति व ऐसे क्षेत्रों में समग्र विकास पर चर्चा हो रही है। मप्र के बालाघाट, मंडला, डिंडौरी जैसे जिलों में नक्सली गतिविधियां है। हाल ही में बालाघाट में एजेंसियों ने एक महिला नक्सली को पकड़ा और उसकी निशानदेही पर हथियार बरामद कर जमीनी डिपो नष्ट किए थे। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार हाई लेवल बैठक में मप्र में नक्सलवाद पर कसी जा रही नकेल के बाद हुए सुधार पर तुलानात्मक चर्चा होगी, साथ ही कमियों पर भी फोकस रहेगा।

जमीन के बदले नौकरी मामला

लालू, तेजस्वी व तेजप्रताप को जमानत मिली

नई दिल्ली, एजेंसी।

जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके दोनों बेटे तेजस्वी यादव और तेजप्रताप यादव को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू केस ने आज तीनों को जमानत दे दी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने आरोपियों को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर राहत दी। कोर्ट ने इस बात पर भी गौर किया कि आरोपियों को जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया गया था। मामले की अगली सुनवाई 25 अक्तूबर को होगी। जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू, तेजस्वी, तेज प्रताप समेत 8 आरोपियों की पेशी हुई। इससे पहले ईडी ने मामले में पूरक आरोप पत्र दायर किया था। इसके आधार पर कोर्ट ने तीनों को समन भेजा था। लालू यादव और उनके परिवार के सदस्यों पर रेलवे में नौकरियों के बदले जमीन के रूप में अवैध लाभ अर्जित करने का आरोप है। मामला 2004 से 2009 तक लालू के रेल मंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप-डी की नियुक्तियों से संबंधित है।

मोदी ने लिखा गरबा गीत सोशल मीडिया पर शेयर किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह सोशल मीडिया एक्स पर देवी दुर्गा को श्रद्धांजलि के रूप में लिखा अपना 'गरबा' गीत साझा किया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, यह नवरात्रि का पावन समय है और लोग अलग-अलग तरीकों से उत्सव मना रहे हैं, जो मां दुर्गा की भक्ति से जुड़े हैं। श्रद्धा और आनंद की इस भावना में, यहां एक गरबा जो मैंने उनकी शक्ति और कृपा को श्रद्धांजलि के रूप में लिखा है। उनका आशीर्वाद हमेशा हम पर बना रहे। पीएम ने गरबा गीत गाने और इसे इतनी मधुर प्रस्तुति देने के लिए पूर्वा मंत्री को धन्यवाद दिया, जिनकी उन्होंने एक प्रतिभाशाली उभरते गायक के रूप में प्रशंसा की।

दो चीनी इंजीनियर्स को पाकिस्तान में बम से उड़ाया

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची में बलूच विद्रोहियों ने चीनी काफिले पर बड़ा हमला बोलकर सरकार के लिये नयी मुसीबत पैदा कर दी है। कराची के जिन्ना इंटरनैशनल एयरपोर्ट के पास हुए इस आत्मघाती हमले में 2 चीनी नागरिकों की मौत हो गई है और कम से कम 10 लोग घायल हो गए है। यह सिंध प्रांत में पावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। हमले के बाद पाकिस्तान में चीन के दूतावास ने बहुत कड़ी प्रतिक्रिया दी है और हमले को आतंकी घटना करार दिया है। चीनी दूतावास ने पाकिस्तान से कहा है कि इस पूरे हमले की गंभीरतापूर्वक जांच करें और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। बलूच लिबरेशन आर्मी की माजिद ब्रिगेड ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। चीनी दूतावास ने अपने नागरिकों और कंपनियों को चेतावनी दी है कि सुरक्षा हालात पर वे करीबी नजर रखें और अलर्ट रहें।

आप सांसद अरोड़ा पर ईडी के छापे

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आज सुबह आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा के जालंधर स्थित घर पर छापेमारी कर रही है। इस छापेमारी की खबर सामने आने के बाद दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। सिसोदिया ने कहा, 'आज फिर मोदीजी ने अपने तोता-मैना को खुला छोड़ दिया है। वे आज सुबह से आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजीव अरोड़ा के घर रेड कर रहे है। पिछले दो सालों में इन्होंने अरविंद केजरीवाल के घर रेड कर लिया, मेरे घर रेड कर दिया, संजय सिंह के घर रेड दिया, सत्येंद्र जैन के घर रेड कर दिया... कहीं भी कुछ भी नहीं मिला। सिसौदिया ने लिखा कि पूरी शिद्दत से मोदीजी की एजेंसियां एक के बाद एक फर्जी केस बनाने में लगी हुई हैं। ये लोग किसी भी हद तक जाएंगे. लेकिन आम आदमी पार्टी वाले ना रुकेंगे, ना बिकेंगे, ना डरेंगे।'

मेट्रो एंकर

अयोध्या का खास आयोजन... आंकडा 50 करोड पार करने के आसार

41 करोड़ ने देखी फिल्म कलाकारों की रामलीला!

अयोध्या, एजेंसी।

इन दिनों यहां के श्रीराम प्रेक्षागृह में फिल्मी कलाकार भगवान श्रीराम की गाथा को अपनी अदाकारी से जीवंत करने में जुटे है और दर्शकों के रेकार्ड बन रहे हैं। यह खास रामलीला वैसे भी देश-विदेश के रामभक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रही है। रामलीला का दूरदर्शन के साथ ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लाइव प्रसारण किया जा रहा है, इसे दर्शकों का खूब प्यार भी मिल रहा है। आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। तीन दिनों में ही ऑनलाइन प्लेटफार्म पर 41 करोड़ दर्शकों ने रामलीला देखी और रिकॉर्ड बना दिया। दुनिया के 40 देशों में 26 भाषाओं में इसका प्रसारण हो रहा है। फिल्मी रामलीला समिति के अध्यक्ष सुभाष मलिक ने बताया कि अयोध्या में फिल्मी कलाकारों की रामलीला 2020 में शुरु हुई थी। ऑनलाइन प्लेटफार्म पर हर साल दर्शकों की संख्या बढ़ती गई। पिछले साल 40 करोड़ लोगों ने ऑनलाइन रामलीला देखकर रिकॉर्ड बनाया था।

बताया जाता है कि इस वर्ष तीन दिनों में ही पिछले साल का रिकॉर्ड टूट गया। उम्मीद है कि इस बार यह आकंड़ा 50 करोड़ के पार पहुंच जाएगा। दूरदर्शन पर अब तक 22 करोड़, यू ट्यूब पर 17 करोड़ व अन्य प्लेटफार्म पर दो करोड़ लोगों ने रामलीला देखी है। मलिक का कहना है कि रामलीला जब शुरु होती है तो शुरुआत के दो-तीन दिनों में ही दर्शक तेजी से जुड़ते हैं। ये दर्शक अंत तक बने रहते हैं। बाद में दर्शक बहुत कम जुड़ते हैं। देश-विदेश में करीब पांच हजार यू-ट्यूब चैनल व 70 सेटेलाइट चैनलों पर रामलीला का प्रसारण हो रहा है। रामलीला का नित्य लाइव प्रसारण शाम सात बजे से रात दस बजे तक किया जा रहा है।

26 भाषाओं में प्रसारण रामलीला के निदेशक शुभम मलिक ने बताया कि रामलीला का 26 भाषाओं में लाइव प्रसारण किया जा रहा है। दूरदर्शन-यूट्यूब समेत अन्य सोशल प्लेटफॉर्म पर दुनिया भर के भक्त घर बैठे राम की गाथा का मंचन देख रहे हैं। रामलीला अमेरिका, आस्ट्रेलिया, थाईलैंड, त्रिनिडाड, श्रीलंका, मलेशिया, फिजी, रूस, दक्षिण कोरिया समेत विश्व के करीब 40 देशों में दिखाई जा रही है। देश में हिंदी, मलयालम, तेलुगु, तमिल, बंगाली, पंजाबी, गुजराती आदि भाषाओं में रामकथा का प्रसारण दर्शक घर बैठे देख रहे हैं।

ये फिल्मी कलाकार निभा रहे किरदार

रामलीला में अभिनेता बिंदु दारा सिंह, मनीष पाल, अवतार गिल, रजा मुराद, राकेश बेदी, वेद सागर, अनिमेष मिढ़ा, विनय सिंह समेत अन्य विभिन्न भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। जबकि प्रख्यात अभिनेत्री भाग्यश्री, शीबा, ऋचा शिवपुरी, अमिता नागिया, मैडोना, पायल गोगा कपूर भी विभिन्न भूमिकाओं में रामकथा का मंचन करेंगी। सांसद मनोज तिवारी व सांसद रवि किशन भी रामलीला का मंचन करेंगे। पद्मश्री मालिनी अवस्थी शबरी की भूमिका में आकर्षण बढ़ाएंगी।

इराकी सैन्य अभियान में शीर्ष आईएस आतंकी ढेर

बगदाद, एजेंसी।

इराक की राजधानी बगदाद के दक्षिणी प्रांत बाबिल में एक सैन्य अभियान में चरमपंथी इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह का एक शीर्ष आतंकवादी मारा गया। इराकी अर्धसैनिक बल हशद शाबी बलों ने सोमवार को एक बयान में कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर, पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज के नाम से जाने जाने वाले एक अर्धसैनिक बल ने बगदाद के दक्षिण में जुर्फ अल-नस्र इलाके में एक अभियान चलाया। इसमें आईएस समूह का एक शीर्ष आतंकवादी मारा गया। यह आतंकवादी इराकी सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ कई हमलों के लिए जिम्मेदार था। उधर रूस के शहर फियोदोसिया में एक तेल डिपो में भीषण आग लग गई, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। क्रीमिया सरकार ने टेलीग्राम लिखा,'' शहर फियोदोसिया तेल डिपो में आग लग गई।

श्री कृष्ण सेवा समिति नवरात्रि एवं अवधपुरी गरबा महोत्सव

मैं हूं अभिमन्यु अभियान: दौड़ का आयोजन किया गया

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं जागरुकता को लेकर प्रत्येक जिले में मैं हूं अभिमन्यु अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार सुबह पुलिस आयुक्त कार्यालय भोपाल से रवींद्र भवन तक दौड़ का आयोजन किया गया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने दौड़ में सम्मिलित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए महिलाओं के प्रति सम्मान एवं सुरक्षा की भावना जागृत करने को लेकर मार्गदर्शन दिया। उसके बाद उन्होंने दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीतू ठाकुर, नगर रक्षा समिति के संयोजक एवं सदस्य, आरंभ संस्था तथा सृजन के बालक और बालिकाएं सम्मिलित हुईं। मैं हूं अभिमन्यु शुभंकर के साथ लोगों सेल्फी लेते हुए महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर अपनी जिम्मेदारी निभाने की बात कही।

राजधानी के सीबीएसई स्कूलों में शुरू होंगे स्टडी कॉर्नर

विद्यार्थी करेंगे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी, बच्चों की पढ़ने की आदत बढ़ेगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो। राजधानी के सीबीएसई स्कूलों में अब प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे बच्चों के लिए स्टडी कॉर्नर शुरू होंगे। यहां विद्यार्थियों को सिलेबस की किताबों के साथ जेईई-नीट, क्लैट व दूसरी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए कोर्स मटेरियल मिलेंगे। भोपाल में 150 सीबीएसई स्कूल हैं। बोर्ड परीक्षा के साथ बच्चे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुट जाते हैं। कोचिंग का सहारा लेते हैं। नई व्यवस्था में स्कूल में ही प्रतियोगिता की तैयारी कर सकेंगे।

ऐसी सुविधा

- विद्यार्थियों को अपडेटेड किताबों के साथ मैग्जीन्स की सुविधा भी मिलेगी।
- लाइब्रेरी के उपयोग के साथ अलग-अलग एक्सपर्ट से बच्चे पढ़ सकेंगे।
- बच्चों की पढ़ने की आदत बढ़ेगी।

अभी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए ज्यादातर डमी दाखिले होते हैं।

आरती के साथ हुआ रामचंदानी का सम्मान

हिरदाराम नगर। बजरंग सेना समिति ने रविवार को नवरात्रि के अवसर पर मां दुर्गा की पूजा अर्चना की। गुरदास रामचंदानी को महासचिव पद पर नियुक्त कर मां की प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। महासचिव बनने पर रामचंदानी को समिति के मुख्य सलाहाकार रुप कुमार सोनी, अध्यक्ष कमलेश देवानी, उपाध्यक्ष राज बिजोरिया, सलाहाकार प्रभु मूलचंदानी, अर्चक पुरोहित, राज कुमार गर्ग, सचिव राजकुमार धानुक, जगदीश सांवले, वासुमल देवानी ने दी।

मजबूरी में लोग अपने वाहनों से पहुंच रहे बाजार

बाजारों में बेशुमार भीड़ सड़कें पड़ रहीं छोटी

सार्वजनिक परिवहन इंतजाम न के बराबरा

भोपाल. दोपहर मेट्रो। नवरात्र, दशहरा और दिवाली की खरीदारी के लिए बाजारों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ने लगी है, लेकिन सार्वजनिक परिवहन का कोई इंतजाम कहीं नजर नहीं आ रहा है। मजबूरी में लोग अपने निजी वाहनों से बाजार पहुंच रहे हैं जहां उन्हें भारी जाम से जूझना पड़ता है। यहां वाहन सुरक्षित करने के लिए पार्किंग तक नहीं है। पहले से भीड़ उमड़ने की संभावनाओं के बावजूद भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड ने बंद पड़ी लो फ्लोर बसों को चालू करना जरूरी नहीं समझा।

शहर में 1000 से ज्यादा ई-रिक्शा, टैक्सी और ऑटो संचालित हो रहे हैं जिन्हें अब मनमानी करने का अवसर मिल गया है। बगैर किसी रूट परमिट के सवारियों से मनमाना किराया वसूला जा रहा है। कोलार से न्यू मार्केट तक आने के लिए ऑटो वाले 500 रुपए प्रति ट्रिप तक किराया वसूल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर बीसीएलएल की 300 में से 150 बसें तीन महीने से बंद हैं, जो बसें चल रही हैं।

उनके रूट इतने लंबे हैं कि लगातार चक्कर काटने के बावजूद भीड़ नियंत्रित नहीं हो पा रही है। कहने के लिए बीसीएलएल के पास तीन प्रमुख बस ऑपरेटर 300 लो फ्लोर बसों का संचालन करते हैं। मां एसोसिएटस के अलग होने के बाद 150 वाहन बागसेवनिया डिपो में कंडम हो रहे हैं। बाकी 150 में से केवल 100 वाहन की जैसे तैसे सडकों पर प्रतिदिन चल रहे हैं। इन वाहनों से प्रतिदिन तीन लाख की आबादी सफर करती है।

इन बाजारों तक चलाने होंगे वाहन

कटारा हिल्स से एमपी नगर, कोलार से न्यू मार्केट, नर्मदापुरम रोड से कर्फ्यू वाली माता मंदिर, बोर्ड ऑफिस से रॉयल मार्केट, मिसरोद से घोड़ा नक्कास और नादरा जैसे इलाकों के लिए डेडिकेटेड बस सेवा की जरूरत है। इन रूट पर दिन में बसों के फेरे लगने से निज वाहनों से आने वाली भीड़ को माध्यम मिलेगा और मौके पर ट्रैफिक जाम खत्म होगा।

महाराज अग्रसेन की महाआरती की गई

भोपाल। अग्रवाल समाज द्वारा अग्रकुल प्रवर्तक एवं आराध्य देव अग्रसेन महाराज और कुलदेवी महालक्ष्मी की महीने के प्रथम रविवार को महाआरती करने का जो संकल्प लिया था, जिसका क्रम निरंतर जारी है। उसी क्रम को यथावत रखते हुए आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने सातवी महाआरती की गई। सभी अग्रबंधुओं ने भगवान अग्रसेन महाराज एवं मां कुलदेवी महालक्ष्मी की आरती की। आरती की जजमानी भीलवार अग्रवाल समाज सेठ बुलाखी चंद ट्रस्ट बालविहार अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, संयोजक कैलाशचंद्र अग्रवाल (लालघाटी) एवं दिनेश अग्रवाल के द्वारा की गई। मीडिया प्रभारी नितिन गुप्ता और विनीत अग्रवाल ने बताया कि महाराज अग्रसेन की महाआरती किए जाने की पहल सभी अग्रबंधुओं के सहयोग, समर्थन और मार्गदर्शन से सफल हो रही है। महाआरती से अग्रवाल समाज में जो जागृति, उत्साह एवं उमंग का माहौल है भोपाल में महाआरती की सफलता को देखते अन्य जिलों में भी महाआरती की जाने लगी है। कार्यक्रम में मुकेश गोयल, सुनील गर्ग, अजय अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, रतन, अजय, धीरज अग्रवाल, रोहित गुप्ता, अमित मित्तल, मोहित अग्रवाल, स्मिता अग्रवाल, रानी मित्तल, संगीता, शोभा सहित अनेक अग्रबंधु उपस्थित हुए।

77 वां निरंकारी संत समागम 16 से 18 नवंबर तक होगा समागम

समागम की तैयारियों के लिए सेवा का शुभारंभ हुआ

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो। 77 वां वार्षिक निरंकारी संत समागम नवंबर में समालखा हरियाणा में आयोजि किया जाएगा, 16, 17 और 18 नवंबर 2024 को होने वाले समागम की तैयारियां शुरू हो गई हैं। समागम में देश-विदेश से भक्त जहाँ सुदीक्षाजी और निरंकारी राजपिता रमितजी के दर्शन करेंगे, वहीं मिल जुलकर संत-समागम की शिक्षाओं से अपने मन को उज्ज्वल बनाने का प्रयास भी करेंगे। मिशन की संतनगर इकाई ने बताया है कि समागम के लिए तैयार करने की सेवा का शुभारम्भ रविवार को सुदीक्षाजी और निरंकारी राजपिता रमितजी ने किया। इस अवसर पर मिशन की कार्यकारिणी के सभी सदस्य, केंद्रीय सेवादल के अधिकारी और सत्संग के अन्य हजारों अनुयायी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि 600 एकड़ में फैले इस समागम स्थल पर लाखों संतों के रहने, खाने-पीने, स्वास्थ्य और आने-जाने के साथ-साथ अन्य कई प्रकार की व्यवस्थाएं की जाती है, जिसके लिए पूरा महीना अनेक स्थानों से आकर भक्त निष्काम भाव से सेवारत्त रहते हैं।

विमोचन

भोपाल बुंदेलखंड कला संस्थान के तत्वाधान में निर्माता निर्देशक एवं संगीतकार सावित्री देवी ने एक रोमांटिक गीत-हम चल रहे हैं का विमोचन किया। डॉक्टरों द्वारा मिलकर बनाए एलबम में डॉक्टर देव द्वारा यह जीत गया है गाया है। इसमें चिकित्सक पैरामेडिकल स्टाफ शामिल है ।इस गीत का यूट्यूब चैनल डीडी एस म्यूजिक पर देख सकते हैं इस गीत को डॉक्टर ने गया है। - **फोटो निर्मल व्यास**

वन विहार में राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह-2024

भोपाल। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह-2024 के छठवें दिन प्रातः 6.00 बजे पक्षी अवलोकन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में इंटरनेशनल स्कूल, वीएनएस कॉलेज गांधी मेडीकल कॉलेज अन्य सस्थाओं सहित 36 प्रतिभागियों ने पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों के दर्शन किये जिनमें प्रमुख है ब्लैक डरोंगो ओपन बिल स्टोर्क, रेड मुनिया, ग्रे हेरॉन, ब्रॉज विंग जकाना, इंडियन रॉबिन, मैगपाई रॉबिन, व्हिस्टलिंग टील, पैराडाइस फ्लाईकैचर एव लिटिल कार्पोरेंट आदि तथा तितलियों में बटरफ्लाई कॉमन क्रो, ग्रे पेनसी, कॉमन ईवनिंग ब्लू टाईगर स्ट्राइपड टाईगर प्लेन टाईगर आदि को देखकर प्रतिभागी उत्साहित हो उठे। स्त्रोत व्यक्ति के रूप में ए.के खरे, सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक डॉ. सुदेश वाघमारे, सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक, डॉ सगीता राजगीर एवं मो खालिक, भोपाल बर्डस तथा अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

सिंधी सांस्कृतिक सिंधी गरबा महोत्सव का दूसरा दिन

खूब किया गरबा-डांडिया, उत्साह में सिंधियत का रंग

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो। सांस्कृतिक सिंधी गरबा महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को प्रतिभागियों का जोश देखते ही बन रहा था। नागपुर से आये सिंगर कमलेश कपूर द्वारा सिंधी, हिन्दी, गुजराती गीतों की सरगम और डी.जे कपिल सचदेव के रिमिक्स गानों पर बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक लय व ताल पर गरबा व डांडिया करने थिरक रहे थे। गरबा देखने आये दर्शक भी अपने आप को थिरकते हुये रोक ना सके।

मन आनंद से भरा है: ऋतु

फिल्म एक्ट्रेस ऋतु शिवपुरी ने भी सांस्कृतिक गरबे में पार्टिसिपेंट्स के बीच पहुँचकर पहुँच कर गरबा किया। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज के लोगों के एक साथ इतनी बड़ी संख्या में गरबा करते देख कर में मन आनंदित है। कभी नहीं भूलूंगी यह पल, ऐसा लग रहा है समूचा सिंधी समाज एक साथ मां की उत्सवी साधना कर रहा है।

सेल्फी लेने का क्रेज

माँ अम्बे की आरती के बाद जैसे भी पार्टिसिपेंट्स सर्कल के अंदर पहुँचे तो पूरा वातावरण ही भक्तिमय हो गया, साथ गरबे करते वक्त महिलाओं में सेल्फ़ी लेने का क्रेज भी दिखा। सांस्कृतिक गरबे में श्रेष्ठ नृत्य करने वालों को पुरस्कार से नवाजा गया, साथ ही श्रेष्ठ पुरुष, श्रेष्ठ महिला, श्रेष्ठ कपल, श्रेष्ठ ग्रुप के साथ अन्य कई तरह कई पुरस्कार भी मुख्य अतिथियों द्वारा दिये गये।

सिंधी व्यंजनों का जायका लिया

फूड जोन में अलग-अलग वैरायटी के 70 से अधिक फूड स्टॉल लगाये गये है जिसमें सिंधी व्यंजन जैसे दाल पकवान, सेल फुल्का, डोडो चटनी, मीठी भोरी, साई भादी इत्यादि स्टॉल लोगों को काफी आकर्षित कर रहे है।

सात और गांव खाली होंगे, कूनो अभ्यारण्य का दायरा बढ़ा

चीतों का घर और बड़ा हुआ सरकार ने 11 गांव खाली कराए

भोपाल, दोपहर मेट्रो। चीतों के रहवास पालपुर कूनो राष्ट्रीय उद्यान से मध्य प्रदेश सरकार ने 11 गांव खाली करा लिये हैं तथा इन गांवों की भूमि राष्ट्रीय उद्यान में शामिल कर दी गई है। इन गांवों की भूमि के बदले 3 हजार 720.9 हेक्टेयर भूमि दूसरी जगह दी गई है। उद्यान के अंदर 18 गांवों का कुल रकबा 4 हजार 407 हेक्टेयर है, इनमें अब तक कुल 11 गांव खाली कराए जा चुके हैं।

बताया जाता है कि इन गांव की भूमि को वन विभाग ने राष्ट्रीय उद्यान का वनखंड घोषित कर दिया है। इस फैसले से वहां चीतों का संरक्षण किया जा सकेगा। उन्हें खुले में घूमने के लिए निर्बाध वन क्षेत्र मिलेगा। इसके पहले चीतों के घर का दायरा भी बढ़ाया जा चुका है। इसको इस तरह से विकसित कर रहे हैं कि चीता मप्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सीमा तक घूम सकें। इसके लिए इन तीन राज्यों के बीच चीता कॉरिडोर बनाने की योजना भी है।बता दें कि कूनो के अंदर बने बरेड, लादर, पांडरी, खजूरी में खजूरी, खजूरी कलां और खजूरी खुर्द है। इसी तरह पैरा में चार गांव पैरा, पालपुर, जाखोद एवं मेघपुरा और बसंतपुरा गांव है। इन सभी गांवों को खाली कराकर अब वनखंड घोषित किया है, जिससे ये राष्ट्रीय उद्यान के संरक्षित वन बन गए हैं। इन गांवों का कुल रकबा 1 हजार 854.932 हेक्टेयर है। शेष गांव की भूमि भी शीघ्र वनखंड घोषित की जाएगी।

चीतों के रहवास का बढ़ाया दायरा

मध्य प्रदेश में चीतों को खुले जंगल में छोड़ने से पहले उनका रहवास पालपुर कूनो नेशनल पार्क का क्षेत्रफल बढ़ाया गया है। कूनो का कुल 54 हजार 249.316 हेक्टेयर वन क्षेत्र बढ़ाया गया है। जिसके बाद अब कूनो का कुल वन क्षेत्र एक लाख 77 हजार 761.816 हेक्टेयर हो गया है।

60 हजार लोग एक दिन में सरकारी सिस्टम से नाराज

सीएम हेल्पलाइन में फोन कर दर्ज करा रहे परेशानी, इनमें भी कई की नहीं हो रही सुनवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी सिस्टम से एक दिन में 60 हजार से अधिक लोग परेशान हैं जो सीएम हेल्पलाइन पर फोन कर अपनी समस्या दर्ज करवा रहे हैं। ये वे लोग है जिन्हें सुनवाई नहीं होने के कारण सीएम हेल्पलाइन की मदद लेनी पड़ रही है। जिन लोगों की सुनवाई होती है या जो सिस्टम को काम करने पर मजबूर रहे हैं उन्हें शिकायतों के झंझट में नहीं पड़ना पड़ रहा है।

ये आंकड़े सरकार ने खुद जारी किए हैं। लोक सेवा प्रबंधन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह ने बीते दिनों मुख्यमंत्री के सामने सीएम हेल्पलाइन के कामकाज का ब्यौरा रखा था। जिसमें बताया कि करीब 60 हजार कॉल सीएम हेल्पलाइन पर प्रतिदिन आते हैं। इनमें से दर्ज शिकायतों में से 97.3 प्रतिशत का निराकरण हो चुका है। 72 फीसद शिकायतें संतुष्टि के साथ बंद की जा चुकी हैं। लंबित शिकायतों का प्रतिशत 2.7 है। इन्हें भी जल्द निराकृत किया जाएगा। जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से सुने, इसमें किसी स्तर पर कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निराकरण के प्रयास पूरी तरह संतोषजनक होने चाहिए। शिकायतों के निराकरण में किसी को कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन आम जनता के कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। इस सेवा से जुड़े अच्छा काम करने वालों को प्रोत्साहित करें। सेवा का दुरुपयोग करने वालों को चिन्हित किया जाए। मुख्यमंत्री मंत्रालय में लोक सेवा प्रबंधन विभाग की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर प्रमुख सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अधिकारियों ने किया गुजरात दौरा

जन शिकायतों को तेजी से सुनने और लोगों को ऐसी शिकायतों के लिए और अधिक प्रभावी प्लेटफार्म देने की दिशा में सरकार काम कर रही है। अधिकारियों के एक दल ने गुजरात मॉडल का अध्ययन किया है। इस पर काम किया जा रहा है। अधिकारियों ने दावा किया कि उक्त मॉडल की बातों को अपनाया जाना चाहिए, जिस पर मुख्यमंत्री ने सहमति दी है।

झूठी व बार-बार शिकायतें नहीं सुनी जाएंगी

सीएम हेल्पलाइन पर झूठी व बार-बार शिकायतें की और उक्त प्लेटफार्म को खुद के फायदे के लिए अनाधिकृत रुप से उपयोग में लाया गया तो ऐसे व्यक्ति को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री को बताया गयाा कि कुछ लोग सीएम हेल्पलाइन का दुरुपयोग कर रहे हैं ऐसे लोग एक ही दिन में एक से अधिक शिकायतें करते हैं, जिनमेंसे कई झूठी व अन्य प्रकार के लोभ से प्रभावित होती हैं। इसकी रोकथाम के लिए सीएम हेल्पलाइन पोर्टल में एक दिन में ही एक व्यक्ति द्वारा पांच शिकायत करने पर उसे उस दिन के लिए ब्लॉक करने पर विचार किया जा रहा है। शिकायतों के विश्लेषण के आधार पर अधिक शिकायतें और अनावश्यक शिकायतें करने वालों को चिन्हित किया जा रहा है।

काउंसलिंग के दो चरण तक मेडिकल छात्रों को लिविंग बांड से आजादी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमडी-एमएस में प्रवेश लेने जा रहे डॉक्टरों के लिए राहत की बात यह है कि काउंसलिंग के पहले दो चरण तक प्रवेश के बाद सीट छोड़ने पर उनके ऊपर सीट लीविंग बांड लागू नहीं होगा। मॉप-अप राउंड से यह प्रभावी होगा।

दरअसल पिछले सत्र तक दूसरे चरण में प्रवेश लेने के बाद सीट छोड़ने पर सीट लीविंग बांड लगता था। इसमें सरकारी कॉलेज में प्रवेश लेने वाले को 30 लाख रुपये और निजी कॉलेज वाले को पूरे पाठ्यक्रम की शुल्क बांड राशि के रूप में शासन को जमा करानी होती थी। अभ्यर्थी अच्छा कॉलेज या विषय मिलने के बाद भी त्यागपत्र नहीं दे पाते थे। एमबीबीएस में पहले ही यह व्यवस्था लागू हो चुकी है।उल्लेखनीय है कि पिछले सत्र में प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में पीजी की 1262 और निजी कॉलेजों में 830 सीटें थीं। इस वर्ष सरकारी और निजी दोनों कॉलेजों में कुछ सीटें बढ़ने के आसार हैं। प्रवेश नियमों में यह भी निर्धारित किया गया है कि अभ्यर्थियों को सिर्फ एक बार ही पंजीयन का अवसर दिया जाएगा। एमबीबीएस में दूसरी बार भी अवसर दिया था। एमडी-एमएस में प्रवेश के लिए दो अक्टूबर से पंजीयन प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है।

काउंसलिंग का कार्यक्रम अभी नहीं

हालांकि, अखिल भारतीय कोटे की सीटों का कार्यक्रम अभी तक जारी नहीं होने से चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने भी अभी काउंसलिंग का कार्यक्रम जारी नहीं किया है। पहले चरण की काउंसलिंग में सीट आवंटन इसी माह होने के आसार हैं।

सरकारी स्कूलों से अभिभावकों ने बनाई दूरी, 5501 स्कूलों में पहली में एक भी प्रवेश नहीं

पहली से आठवीं तक के 78542 स्कूल हैं, 19531 स्कूल ऐसे हैं जहां एक से दो प्रवेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कोविड काल के दौरान ब?ा अभिभावकों का ब?ा रूझान अब कम होने लगा है। इस साल के नामांकन के आंकड़ों में यह नजर आया है। स्थिति यह है कि प्रदेश के 5501 स्कूलों में पहली कक्षा में एक भी प्रवेश नहीं हुआ है। जबकि 19531 स्कूल ऐसे हैं जहां एक से दो प्रवेश ही हुए हैं। यह आंकड़ा 13 सितंबर तक की स्थिति का है।

राज्य शिक्षा केंद्र के 13 सितंबर 2024 की स्थिति के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में पहली से आठवीं तक संचालित होने वाले कुल स्कूलों की संख्या 78542 है। 13 सितंबर तक प्रदेश के 5501 स्कूलों की पहली क्लास में एक भी विद्यार्थी का प्रवेश नहीं हुआ है। यानी साड़े पांच हजार स्कूल जीरो नामांकन वाले हैं, जबकि 19531 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें एक से दो विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। 25032 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें दो से कम विद्यार्थियों ने पहली क्लास में प्रवेश लिया है। 23466 स्कूल में तीन से पांच विद्यार्थियों तक प्रवेश की स्थिति है।

इसमें भोपाल जिले में कुल सरकारी स्कूलों की संख्या 771 है। इसमें 13 सितंबर 2024 की स्थिति में 47 स्कूल पहली क्लास में जीरो नामांकन वाले हैं। 178 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें एक से दो विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। सिर्फ दो छात्रों के प्रवेश लेने वाले स्कूलों की संख्या 225 है। हालांकि विभागीय अधिकारियों ने नामांकन बड़ने की बात कही है।

अन्य जिलों की यह है स्थिति : सिवनी जिले के कुल 2031 स्कूलों में से 425 स्कूलों की पहली क्लास में एक भी विद्यार्थी ने प्रवेश नहीं लिया है। जबलपुर जिले के कुल 1563 में से 141 स्कूल पहली क्लास में जीरों नामांकन वाले हैं। नरसिंहपुर के 1201 में से 299 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें पहली कक्षा में एक भी छात्र ने प्रवेश नहीं लिया है। सतना के 303, बैतूल के 265, छिंदवाड़ा के 103, देवास के 181, धार के 127, गुना के 133, कटनी के 109, खरगौन के 287, मंडला के 178, मंदसौर के 193, रायसेन के 207, रीवा के 159, सागर के 258, विदिशा के 258 स्कूलों में पहली क्लास में एक भी विद्यार्थी ने इस साल प्रवेश नहीं लिया है।

यह है बड़ा कारण

विभागीय जानकारों की माने तो स्कूल शिक्षा विभाग में दो साल से उच्च पद के प्रभार का बड़ा असर हुआ है। यह पूरा साल भी उच्च पद के प्रभार और अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग के नाम पर निकल गया है। स्कूलों में पढ़ाई के अलावा सभी काम किए जा रहे हैं। इसका असर इस बार छात्रों के प्रवेश यानी नामांकन पर भी पड़ा है। ऐसे में अभिभावकों ने सरकारी स्कूलों से दूरी बनाई है।

मेट्रो एंकर | शिक्षा भूषण अखिल भारतीय सम्मान समारोह का आयोजन

भारत विश्व गुरु के रूप में शिक्षक परंपरा को स्थापित करना चाहता है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गुरुकुल परंपरा हमारे देश की शिक्षा का आधार रही है। शिक्षक हमेशा पूज्य थे और पूज्य रहेंगे। भारत विश्व गुरु के रूप में उस शिक्षक परंपरा को स्थापित करना चाहता है, जो गुरुकुल परंपरा चाणक्य से चंद्रगुप्त तक और चंद्रगुप्त से विक्रमादित्य तक हर जगह, हर समय, हर काल में कायम रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रवीन्द्र भवन सभागार में शिक्षा भूषण अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान समारोह में कही। समारोह का आयोजन मध्यप्रदेश शिक्षक संघ द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षा भूषण अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान से डॉ. रामचंद्रन आर., प्रोफेसर के.के. अग्रवाल और प्रोफेसर कुसुमलता केडिया को सम्मानित किया।

गुरु और गुरुकुल परंपरा में गुरु का विशेष महत्व: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक और शिक्षक के हित में समाज के उद्देश्य से आयोजित शिक्षक समारोह के आयोजन में शैक्षिक फाउंडेशन और अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि भारत की गुरु और गुरुकुल परंपरा में गुरु का बड़ा महत्व है। इतिहास में जब भी कोई प्रश्न खड़े हुए तो गुरु की भूमिका सामने आई। यदि भगवान श्रीराम और लक्ष्मण को गुरु वशिष्ठ वनवास के लिए नहीं ले जाते तो रामायण में राम का चरित्र अधूरा रहता। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा में गुरु सांदीपनि का उज्ज्वल चरित्र शिष्यों के लिए अनुकरणीय और चुनौतियों में प्रेरणा का स्रोत रहा है।

शिक्षा न तो सत्ता की दासी है और न ही कानून की किन्करी: अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्री सुरेश सोनी ने कहा कि वास्तव में विकास तभी हो सकता जब हमारे आसपास के परिवेश और जीवन मूल्यों का विकास हो। उन्होंने 1928 में गुजरात विद्यापीठ में दिए गए काका कालेलकर के संबोधन को उद्धृत करते हुए कहा कि शिक्षा ने अपने स्वरूप की व्याख्या करते हुए कहा कि शिक्षा न तो सत्ता की दासी है और न ही कानून की किन्करी है, न ही यह विज्ञान की सखी है औप न ही कला की प्रतिहारी यह अर्थशास्त्र की बांदी, शिक्षा तो धर्म का पुनर्रागमन है, यह मानव के हृदय, मन और इन्द्रियों की स्वामिनी है। मानव शास्त्र और समाज शास्त्र, इनके दो चरण हैं, तर्क और निरीक्षण शिक्षा की दो आँखें हैं, विज्ञान मस्तिष्क, इतिहास कान और धर्म शिक्षा के हृदय है। सोनी ने बताया कि काका कालेलकर ने अपने संबोधन में कहा था कि उत्साह और उद्यम शिक्षा के फेफड़े हैं। शिक्षा ऐसी जगत जननी जगदम्बा है, जिसका उपासक कभी किसी का मोहताज नहीं होगा, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

संपादकीय

सफाई की जंग बाकी

देश में स्वच्छता अभियान के दस वर्ष हाल में पूरे हुए। कहा जा सकता है कि तब महात्मा गांधी की ही जयंती पर शुरू किए गए इस अभियान को कुछ उल्लेखनीय सफलताएं हासिल तो हुई हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश के 82.5 फीसदी परिवारों की पहुंच अब शौचालय तक है जबकि 2004-05 तक यह आंकड़ा केवल 45 फीसदी था। अब 70 फीसदी परिवारों में शौचालय की सुविधा है जबकि 2004-05 में केवल 29 फीसदी परिवारों में शौचालय थे। इसके चलते खुले में शौच में भारी कमी आई है और इसके साथ ही बीमारियों का खतरा भी कम हुआ है। नवजात शिशुओं की मौत के मामले भी घटे हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में यह बहुत उल्लेखनीय है। हालांकि पांच वर्ष पहले देश को 'खुले में शौचमुक्त' घोषित करके जरूर सरकार ने समय से पहले जश्न मना लिया पर आंकड़ों पर करीबी नजर डालें तो पता चलता है कि खुले में शौच से लड़ाई में अभी असल व निर्णायक जीत बाकी है। प्रमुख चुनौती अभी भी ग्रामीण भारत में है जहां खुले में शौच की समस्या आज है। यद्यपि शौचालयों तक पहुंच में सुधार हुआ है और 2019-20 तक यह 90 फीसदी पहुंच चुकी थी लेकिन इनके इस्तेमाल में भी कमी आई है। विश्व बैंक के मुताबिक 2022 में देश की 11 फीसदी आबादी खुले में शौच कर रही थी। यह आंकड़ा पड़ोसी देशों अफगानिस्तान और पाकिस्तान से भी खराब है जहां क्रमशः 8.8 और 6.8 फीसदी आबादी खुले में शौच करती पाई गई। निवेश और जागरूकता कार्यक्रमों में कमी, व्यय में कटौती और कार्यक्रम के क्रियान्वयन और उसे जारी रखने में सीमित संस्थागत प्रणाली की कमी के कारण भी स्थिति खराब मानी जा सकती है। ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में इस अभियान के लिए बजट आवंटन में 2018-19 से ही निरंतर कमी की बातें हैं। वहीं जल जीवन मिशन जैसे अन्य कार्यक्रमों में आवंटन बढ़ा है। शहरी कार्यक्रम की बात करें तो वित्त वर्ष 24 में बजट अनुमान 5 हजार करोड़ रुपये कर दिया गया जो वित्त वर्ष 23 के 1,926 करोड़ रुपये के वास्तविक व्यय से भी अधिक था लेकिन बाद में इसे कम करके 2,550 करोड़ रुपये कर दिया गया। आवंटन में यह कमी कुछ हद तक इस आधार पर सही ठहराई जा सकती है कि कार्यक्रम के गति पकड़ने के बाद अब हर वर्ष कम शौचालयों की आवश्यकता है। परंतु रखरखाव और दूरदराज तक अधोसंरचना विकास मसलन ठोस कचरा प्रबंधन और कीचड़ हटाने आदि के लिए बजट की जरूरत भी है। वास्तव में शौचालयों के ठीक से काम नहीं करने, पानी की अनुपलब्धता और शौचालयों के संपूर्ण ढांचे का निर्माण न होने को प्रमुख वजहें माना गया है। वहीं लोगों ने खुले में शौच को व्यक्तिगत पसंद का मामला भी बताया है जिससे संकेत मिलता है कि अभी भी लोगों को इसे लेकर शिक्षित तथा जागरूक बनाने के मामले में शुरुआती उत्साह बरकरार रखने काफी कुछ किया जाना शेष है। स्वच्छ भारत कार्यक्रम से हासिल लाभ बहुत महत्त्वपूर्ण हैं और इन्हें फंड की कमी या संगठनात्मक गतिहीनता के कारण गंवाना दुखद होगा। इसका विकेंद्रीकरण किया जाए तो अधिक टिकाऊ लाभ हासिल हो सकते हैं। केंद्र सरकार जमीनी स्तर पर संस्थागत क्षमता निर्माण की दिशा में काम कर सकती है। वह राज्य सरकारों और शासन के तीसरे स्तर के साथ सहयोग कर सकती है। जरूरी है कि इस समाज की योजना के तौर पर प्रचारित व प्रेरित किया जाता रहे क्योंकि यह योजना केवल सरकार की परियोजना बनकर रहेगी तो उसका उत्साह या प्रेरणा कम होने का खतरा होगा। जबकि सफाई निरंतर जरूरत है।

उस भाषा के साहित्य का दुर्भाग्य तय है, जहाँ आलोचक महान् हों, कवि नहीं।

– स्वदेश दीपक

आज का इतिहास

- 1919-गांधी जी की यंग इंडिया पत्रिका की शुरुआत।
- 1926-बालीवुड अभिनेता राजकुमार का जन्म।
- 1932-भारतीय वायुसेना का गठन।
- 1936-हिंदी और उर्दू साहित्य को अपने उपन्यासों और लघु कथाओं से समृद्ध करने वाले मुंशी प्रेमचंद का निधन।
- 1979-संपूर्ण क्रांति के प्रणेता जयप्रकाश नारायण का निधन।
- 1998-भारत'फूलाइट सेफ्टी फ़ाउंडेशन'का सदस्य बना।
- 2000-वोजोस्लाव कोस्तुनिका यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति बने।
- 2001-इटली के मिलान हवाई अड्डे पर दो विमानों के आपस में टकरा जाने के बाद एक में आग लग गयी, जिससे 114 लोगों की मौत हो गई। 2002-पाकिस्तान ने शाहीन मिसाइल का पुनः परीक्षण किया। 2003-नोबेल शांति पुरस्कार ईरान की शिरीन इबादी को देने की घोषणा की गई। 2004-भारतीय गेहूँ पर मौनसेंटो का पेटेन्ट रद्द। शांति का नोबेल पुरस्कार केन्याई पर्यावरणविद वांगरी मथाई को।
- 2005-पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर प्रांत और कश्मीर में आए भीषण भूकंप में कम से कम 79,000 लोगों की मौत।
- 2007-बांग्लादेश के पूर्व गृहमंत्री मोहम्मद नसीम को 13 साल क़ैद की सज़ा हुई। 2018-भारत ने जकार्ता पैरा एशियाई खेलों में तीन स्वर्ण पदक सहित कुल 11 पदक जीते।
- 2020-लोकजन पार्टी के अध्यक्ष रामविलास पासवान का निधन।

निशाना

चल रही तलाश !

- कृष्णेन्द्र राय

बनें नए समीकरण ।
चल रही तलाश ।।
लाना अलग चेहरे ।
जगी ऐसी प्यास ।।
करना सब नवीन है ।
आए नई बहार ।।
चाह रहे हम करने को ।
जनता पर उपकार ।।
किए यदि सुधार ।
तय मिलना है फल ।।
कार्यकर्ताओं को ।
मिल जाए कुछ बल ।।
रणनीति ही ऐसी ।
है हमने बनाई ।।
उब गए हैं हम ।
हुई जो जगहंसाई ।।

संघ सौ बरस में कितना बदला और कितना बदलेगा हिन्दुस्थान

■ आलोक मेहता

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का स्थापना दिवस विजया दशमी है। हर वर्ष की तरह सरसंघचालक इसी दशहरे (इस बार 12 अक्टूबर) को अपने स्वयंसेवकों को संघ के एक सौ वर्ष 2025 में पूरे करने पर आदर्शों , मूल्यों के साथ संगठन और हिन्दुस्थान की दशा दिशा रेखांकित करेंगे। यों पिछले दिनों यह बताया जा चुका है कि अन्य संगठनों की तरह शताब्दी वर्ष में कोई धूम धड़ाका नहीं किया जाएगा। किसी भी संगठन के लिए सौ वर्ष के बदलाव भविष्य निर्माण की समीक्षा के साथ भविष्य निर्माण की रुपरेखा तैयारी महत्वपूर्ण ही कही जाएगी। हिंदुत्व , समाज , राष्ट्र को समर्पण के आदर्शों के साथ आज़ादी के आंदोलन से स्वतंत्रता के बाद भी संघर्ष , प्रतिबन्ध , जेल यातना तक झेलने के बाद संघ के स्वयंसेवकों के सत्ता के शिखर तक पहुँचने की सफलता किसी भी तरह कम नहीं कही जा सकती है। इसलिए संघ में शिक्षित प्रशिक्षित प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद कुछ लोगों द्वारा यह सवाल उठाना अनुचित लगता है कि भाजपा के सत्ता में आने से संघ को क्या और कितना मिला ? इन दिनों राजनीतिक क्षेत्रों और मीडिया में संघ भाजपा नेतृत्व में टकराव और बदलाव तक की चर्चाएं चल रही हैं। लेकिन इसे राजनीतिक घटनाओं और संघ सहित विभिन्न दलों के नेताओं से मिलने के अपने पत्रकारिता के करीब 50 वर्षों के आधार पर कह सकता हूँ कि मत भिन्नता तो भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक बलराज मधोक के समय से रही और भविष्य में भी रह सकती है , लेकिन टकराव और संघ द्वारा अपने ही सिद्धांतों पर चलने वाली भाजपा को कमजोर करने , सबक सिखाने , प्रधान मंत्री को हटाने के प्रयास को केवल एक वर्ग विशेष या संगठनों में निचले स्तर के कुछ नेताओं का भ्रम अथवा उनके अपने स्वार्थ कहा जा सकता है।

इसे संयोग ही कहा जा सकता है कि मेरे जैसे कुछ ही पत्रकार होंगे , जिन्हें 1912 में संघ प्रमुख गुरु गोलवरकरजी से मिलने , प्रोफेसर राजेंद्र सिंहजी और के सी सुदर्शनजी से लम्बे इंटरव्यू करने को मिले और अब भी संघ और भाजपा के नेताओं से मिलने बातचीत के अवसर मिले। इसका एक कारण यह भी रहा कि प्रारम्भिक वर्षों में संघ के प्रचारकों द्वारा स्थापित हिन्दुस्थान समाचार में संवाददाता के रुप में कार्य किया। उसके प्रबंध संपादक बालेश्वर अग्रवाल , उनके वरिष्ठ सहयोगी एन बी लेले , रामशंकर अग्निहोत्री के साथ राजनैतिक रिपोर्टिंग सीखने करने का लाभ 1915 तक मिला। दिलचस्प बात यह कि उसी अवधि में इन लोगों ने कांग्रेस के तत्कालीन शीर्ष नेताओं यशवंत राव चव्हाण , जगजीवन राम , विद्याचरण शुक्ल , द्वारका प्रसाद मिश्र जैसे नेताओं से परिचय कराया। इसलिए बाद के वर्षों में भी इंदिरा गाँधी से नरेंद्र मोदी तक प्रधान मंत्रियों से मिलने बात करने समझने के अवसर मिले हैं। इसलिए जब मैं संघ के झंडेवाला में सत्तर के दशक में चमनलालजी की कॉपी या रजिस्टर में प्रचारकों के नाम पते संपर्क के अलावा सीमित संयमित व्यवस्था के दौर से वर्तमान दौर में करोड़ों की लागत से बनी भव्य इमारत , कंप्यूटर में दर्ज लाखों कार्यकर्ताओं के नाम , प्रचारकों के देश विदेश में कार्यों का विवरण सार्वजनिक होते देखता हूँ , तो कैसे मान सकता हूँ कि संघ को क्या मिला ?

संघ की शाखाएं भारत में 2022-23 तक, 68,651 हो गई। अगले साल अपने अस्तित्व के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाने की तैयारी कर रहा संघ देश के सभी ब्लॉक तक पहुँचने और शाखाओं की संख्या को 100,000 तक ले जाने का लक्ष्य बना रखा है। भाजपा सरकार होने से उसे सिर्फ़ तार्किक रूप से ही फ़ायदा नहीं हुआ , बल्कि समाज में उसकी दृश्यता और स्वीकार्यता भी बढ़ती गई । अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण , कश्मीर से 310 की समाप्ति , परमाणु शक्ति सम्पन सुरक्षा के साथ पाकिस्तान चीन को करारा जवाब देने की क्षमता , आर्थिक आत्म निर्भरता के साथ हिन्दू धर्म , मंदिरों का विश्व में प्रचार प्रसार , समान नागरिक संहिता के लिए राज्यों में पहल जैसे संघ के लक्ष्य प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के बिना क्या पूरे हो सकते थे ?

संघ भाजपा और सरकार के संबंधों को लेकर सितम्बर 2018 में सरसंघचालक मोहन भागवत ने ' भविष्य का भारत और संघ का दृष्टिकोण ' विषय पर दिल्ली में हुई एक व्याख्यान माला में स्पष्ट रुप से कहा था - संघ ने अपने जन्म से ही स्वयं तय किया है कि रोजमर्रा की राजनीति में हम नहीं जाएंगे। राज कौन करे यह चुनाव जनता करती है। हम राष्ट्र हित पर अपने विचार और प्रयास करते हैं। प्रधान मंत्री और अन्य नेता स्वयंसेवक रहे हैं। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वे नागपुर के निर्देश पर चलते हैं। राजनैतिक क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्त्ता या तो मेरी आयु वर्ग के हैं या मुझे वरिष्ठ और राजनीति में अधिक अनुभवी हैं । इसलिए उनको अपनी राजनीति चलाने के लिए किसी की सलाह की आवश्यकता नहीं है। यदि उनको सलाह की आवश्यकता होती है तो हम अपनी राय देते हैं। उनकी राजनीति पर हमारा कोई प्रभाव नहीं और सरकार की नीतियों पर भी कोई प्रभाव नहीं । वे हमारे स्वयंसेवक हैं। उनके पास विचार दृष्टि है। अपने अपने कार्यक्षेत्र में उन विचारों का उपयोग करने की शक्ति है। ÷ इस पृस्ठभूमि में अपने पत्रकार मित्रों से कभी कभी यह कहता हूँ कि % यह सचमुच में परिवार का मामला है। कल्पना कीजिये नरेंद्र मोदी संघ में रहकर सरसंघचालक हो सकते थे और मोहन भागवत प्रधान मंत्री भी हो सकते थे। लेकिन उनके लक्ष्य तो समान ही होते। हाँ कौन कितना कहाँ सफल हो सकता है इसलिए सबकी भूमिका परिवार तय करता है। फिर उस दायित्व को सफलता से निभाना है।

जहाँ तक बदलाव की बात है , महात्मा गाँधी और नेहरु के विचारों वाली कांग्रेस पार्टी या मार्क्स लेनिन के विचारों वाली कम्युनिस्ट पार्टियां भारत ही नहीं रुस चीन तक में बहुत बदल चुकी हैं। इसलिए जो आलोचक केवल गुरु गोलवलकर की सबसे पुरानी किताब के हवाले से कुछ विचारों को ही वर्तमान संघ या भाजपा के विचार समझाने का प्रयास करते हैं , उन्हें संघ में लगातार हुए वैचारिक मंथन और परिवर्तनों पर भी ध्यान देना चाहिए। जहाँ तक मत भिन्नता की बात है अटलजी के सत्ता काल में स्वदेशी और श्रमिक संगठनों को लेकर दत्तोपंत ठेंगड़ी या मंदिर के मुद्दे पर अशोक सिंघल के बीच की स्थितियां अब कहीं नहीं दिखाई देती। दूसरी तरफ इस बात का अंदाज लोगों को नहीं है कि शीर्ष स्तर पर संघ के प्रमुख नेता भारत में जन्मे लगभग 98 प्रतिशत लोगों को भारतीय हिन्दू मानने की बात पर जोर देते रहे हैं , जिसमें सिख , मुस्लिम , ईसाई , बौद्ध आदि शामिल हैं और वे किसी तरह की धार्मिक मान्यता उपासना करते हों। सरसंघचालक प्रो राजेंद्र सिंह ने 4 अक्टूबर 199। को मुझे एक इंटरव्यू में स्पष्ट शब्दों में कहा था - हम यह मानते हैं कि भारत में जो मुसलमान हैं उनमें सी केवल दो प्रतिशत के पूर्वज बाहर से आए थे , शेष के पूर्वज इसी देश के थे। हम उन्हें यह अनुभूति कराना चाहते हैं कि तुम मुसलमान हो पर भारतीय मुसलमान हो। हमारे यहाँ दर्जनों पूजा पद्धतियां है , तो एक तुम्हारी भी चलेगी। इसमें हमें क्या आपत्ति हो सकती है। लेकिन तुम्हारी पहचान इस देश के साथ होनी चाहिए। इस भारतीयकरण के लिए ही संघ भाजपा के नेता मदरसों या वक्फ के कट्टरपंथी विचारों और गतिविधियों को नियंत्रित करने के अभियान में लगी है। हाँ निचले स्तर पर कुछ अतिवादी नेता हाल के वर्षों में कटुता की भाषा इस्तेमाल करने लगे। यह निश्चित रुप से न केवल मोदी सरकार की बल्कि भारत की छवि दुनिया में ख़राब करते हैं। उन्हें मोदी का असली दुश्मन कहा जा सकता है। इस दृष्टि से लोकतंत्र में न्यायिक व्यवस्था का लाभ है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने सामान्य नियम कानून से ऊपर हटकर उत्तर प्रदेश में ' बुलडोजर से दंड ' देने के क़दमों पर रोक लगाई है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछले दस वर्षों के दौरान अधिकांश राज्यों में साम्प्रदायिक दंगे नहीं हुए। सत्तर से नब्बे के दशकों में ऐसे दंगों में सैकड़ों लोग मारे जाते थे। फिर भी कुछ विदेशी संगठन भारत में धार्मिक भेदभाव और उत्पीड़न के अनर्गल आरोपों वाली रिपोर्ट जारी करते हैं। उनका निशाना भारत की आर्थिक प्रगति है। संघ भाजपा की चुनौती यही है कि वह अपने अतिवादियों को निर्णायक महत्व नहीं दे और सत्ता की अपेक्षा सम्पूर्ण भारत और सामाजिक आर्थिक विकास के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। जातिवादी राजनीति को साम्प्रदायिक तरीकों से नहीं निपटाया जा सकता है। समाज के सभी वर्गों की प्रगति से देश सशक्त समृद्ध हो सकता है। असलियत यह है कि नरेंद्र मोदी में आरएसएस को अभी भी विचारधारा और राजनीतिक व्यवहार्यता का एक दुर्लभ संगम दिखाई देता है। इसलिए संघ नेताओं द्वारा मत भिन्नताओं को पारिवारिक संबंधों की तरह सुलझाने के दावे बहुत हद तक सही हैं। बाहर जो भी कहा जाए पूर्वोत्तर या दक्षिण भारत में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत की टीम ने मिलकर ही अपना प्रभाव बढ़ाया है ।उनका लक्ष्य तत्कालिक लाभ के बजाय अगले पचास सौ वर्षों में भारत को अपने विचारों और आदर्शों से सुदृढ़ करना है। इस बार की विजया दशमी इसी तरह के संकल्प की अपेक्षा की जा सकती है।

अभेद्य था सिंगौरगढ़ का किला

एक नया पर्यटन केंद्र बनेगा सिंग्रामपुर

■ अशोक मनवानी

बुंदेलखंड अंचल की समृद्ध पुरा संपदा का महत्वपूर्ण प्रतीक है सिंगौरगढ़ का किला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर सिंगौरगढ़ में शनिवार, पांच अक्टूबर को हुई मंत्रि परिषद की बैठक के साथ इस किले की विशेषताएं भी उजागर हो गई हैं।

सिंग्रामपुर वीरांगना रानी दुर्गावती की राजधानी रही जो सिंगौरगढ़ के निकट है। इस किले को ऐसा विशिष्ट किला माना जाता है जहां प्रचीन सती परम्परा के प्रमाण भी सती स्तंभों के रूप में मिलते हैं।

सागर संभाग के पन्ना जिले में अजयगढ़ दुर्ग भी अद्भुत है। इसके अलावा सागर किले की भी अलग शान है। सागर के प्राचीन किले में वर्तमान में राज्य पुलिस अकादमी संचालित है। यह सागर सरोवर के पास स्थित है और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होता है। जयसिंह नगर (आज का जैसीनगर) राहतगढ़ के किले आज पर्यटकों के आकर्षण के प्रमुख केंद्र बनने की संभावनाएं लिए हुए हैं। दांगी शासन काल का गढ़पहरा का किला सागर से झांसी मार्ग पर 10 किलोमीटर दूर स्थित है जहां हनुमान जी का सिद्ध मंदिर है।

शत्रु सैनिक यहां आकर फंस जाते थे

बुंदेलखंड के किलों में सिंगौरगढ़ किले का अलग ऐतिहासिक महत्व है। यह किला सामरिक दृष्टि से बेमिसाल था। सिंगौरगढ़ के किले के दो द्वार द्रष्टव्य थे। तीसरा द्वार शत्रु सैनिकों को मौत के घाट उतारने के काम आता था। पुरातत्व विभाग द्वारा सिंगौरगढ़ किले के बाहर स्थित बोर्ड पर लिखा गया है कि प्रदेश के प्रमुख किलों में से एक सिंगौरगढ़ एक सुरक्षित किला था। इस किले के परकोटे दो तरह से सुसज्जित किए गए थे। एक भाग पहाड़ की चोटियों से गुजरते हुए लगभग पांच किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह बाह्य किले-बंदी के रूप में सुरक्षा के उद्देश्य से निर्मित किया गया था। सिंगौरगढ़ किले के अंदरूनी भाग में भी एक परकोटा है। यह आंतरिक किले-बंदी के प्रयोजन के लिए निर्मित हुआ था। इन परकोटों को मजबूती प्रदान करने के लिए अनेक स्थानों पर बुर्ज भी निर्मित किए गए थे।

सिंगौरगढ़ के किले के बुर्ज भी अलंकृत किए गए थे। इसके लिए कंगूरे की अनवरत श्रंखला का निर्माण हुआ। अनगढ़ पाषाण खण्ड भी सुसज्जित कर निर्माण के काम में लाए गए। सिंगौरगढ़ के किले का निर्माण सर्वप्रथम कलचुरी राजवंश ने किया था। इसके पश्चात अन्य राजवंशों ने भी किले का उपयोग किया। समय-समय पर अन्य निर्माण भी किले में किए गए। जब इस स्थल को गोंड साम्राज्य का हिस्सा बनाया गया तो इसका महत्व बढ़ गया। सामरिक दृष्टि से किला अत्यंत महत्वपूर्ण है। किले की सुरक्षा के लिए द्विस्तरीय परकोटे और तीन द्वारों के कारण अभेद्य श्रेणी के किले का दर्जा मिला। मुख्य रूप से किले के दो द्वार थे। तृतीय द्वार सामरिक योजना के अंतर्गत एक संकरे प्रांगण में निर्मित किया गया। शत्रु द्वारा किले पर चढ़ाई करने की स्थिति में उन सैनिकों के किले के अंदर घुस आने पर वापस जाने वाले मार्ग के संकरा होने के कारण फंस जाने की परिस्थिति निर्मित हो जाती थी। इस बीच किले में तैनात सैनिकों को इतना समय मिल जाता था कि वे शत्रु सैनिकों पर हमला कर सकें। किले के सैनिक प्रांगण में फंसे शत्रु सैनिकों को आसानी से मौत के घाट उतार देते थे।

कलात्मक रानी महल

इस किले का एक द्वार-हाथी द्वार कहलाता है। हाथियों के आवागमन के लिए इसका उपयोग होता था। किले में रानी महल का निर्माण कलात्मक ढंग से हुआ है। यह महल तीन तलीय है। काष्ठ के उपयोग और झरोखे का निर्माण भी किया गया है। इस महल के नजदीक एक कुण्ड भी निर्मित है।

प्राचीन प्रतिमाएं और सती स्तंभ किले की पहचान

किले के परिसर में भगवान गणेश, विष्णु, हनुमान की प्रतिमाएं भी हैं जो इसके धार्मिक स्वरूप की जानकारी देती हैं।

कुछ सती स्तंभ भी सिंगौरगढ़ के किले में निर्मित हुए थे। उल्लेखनीय है बुंदेलखंड अंचल में कई सती स्तंभ मिले हैं। अनेक आज भी दिखाई देते हैं। यह कुप्रथा यहां व्याप्त थी। चौथी शताब्दी में निर्मित एक सती स्तंभ सागर जिले में बीना के पास एरण में मिला था। अपनी यात्रा में ऐसे कई स्तंभ देखने के बाद ब्रिटिश अफसर विलियम बैंटिक ने कलकत्ता पहुंचकर सती निरोधक कानून बनाने की पहल की थी। राजा राम मोहन राय के प्रयासों से वर्ष 1829 में सती को गैर-कानूनी घोषित किया गया।

बहरहाल मध्य प्रदेश सरकार के कदम के चारों तरफ प्रशंसा हो रही है। मंत्रि - परिषद की बैठक संग्रामपुर में होने से सिंगौरगढ़ किले की विशेषताएं उजागर हुई हैं। पर्यटन स्थल के रूप में इसके विकास और स्थानीय अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने की दृष्टि से सम्पूर्ण अंचल को इसका सकारात्मक लाभ प्राप्त होगा।

राज्य कर्मचारी संघ की स्थापना

कर्मचारियों की समस्या का निराकरण करना है: चौरे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ नर्मदापुरम संभाग इकाई द्वारा रविवार को अपना 47 वां स्थापना दिवस समारोह मनाया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कार्यक्रम के अध्यक्ष दशरथ तिवारी, राज्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष राजेश चौरे मुख्य अतिथि में एवं राजेश रिछारिया विशेष अतिथि के द्वारा भारत माता, विश्वकर्मा भगवान एवं दत्तोपंत थेगडी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष भुवनेश्वर दुबे, जिला सचिव सुंदरनारायण शर्मा, तहसील अध्यक्ष नरेंद्र रावत एवं विभिन्न संगठनों ने पदाधिकारी शैलेन्द्र तोमर, रविशंकर दुबे, पुरुषोतम राजपूत, गणेश दास चौधरी, हीरालाल शर्मा ने अतिथियों का पुष्पहार से स्वागत किया. जिला अध्यक्ष भुवनेश्वर दुबे ने अपने उद्बोधन में संगठन के उद्देश्य एवं संगठन की स्थापना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। संभागीय अध्यक्ष राजेश चौरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि संगठन की स्थापना कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए की गई है। जिसमें अनुशासन में रहकर अपने उद्देश्य को प्राप्त करने पर जोर दिया गया. इस अवसर पर श्री चौरे ने 18 अक्टूबर को प्रान्त व्यापी आन्दोलन को सफल बनाने की अपील कर्मचारियों से की । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे दशरथ तिवारी ने राज्य कर्मचारी संघ की स्थापना एवं भारतीय मजदूर संघ से संबंध पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन सुदंरनारायण शर्मा ने किया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के व राज्य कर्मचारी संघ एव अन्य संगठनों के कर्मचारी उपस्थित थे। अंत में तहसील अध्यक्ष नरेन्द्र रावत द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

351मीटर की विशाल चुनरी यात्रा पहुंची बूढ़ी माई

सिवनी मालवा। नगर के प्राचीन श्री खेड़ापति मंदिर देवल मोहल्ला, शिवपुर रोड से 351मीटर की विशाल चुनरी यात्रा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी माँ बीजासन देवी दरबार, ग्राम महुआ ढ़ाना पहुंची। यात्रा सिवनी मालवा से ग्रम-खरार, बी-जमानी, बैंगनिया, ढ़ाड़ीवाड़ा होते हुए महुआढ़ाना पहुंची। चुनरी यात्रा का यह नवा वर्ष है यात्रा मे महिला पुरुष बच्चों सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे जिनका जगह-जगह शल्पा हार कर यात्रा का स्वागत किया गया। बैंड बाजे की धुन पर नाचते गाते श्रद्धालु 5 घंटे में 15 किलो मीटर की यात्रा कर मंदिर पहुंचने के बाद वहां पर चुनरी अर्पण कर पूजा पाठ की।

सिवनी मालवा। सिवनी मालवा के अति प्राचीन शीतला माता मंदिर में विराजित मां भगवती के दर्शन करने के लिए नगर की धर्म प्रेमी जानता हजारों की संख्या में पहुंच रही हैं इन दिनों नगर के श्रद्धालु माता की उपासना और आराधना मे लीन हैं।

कॉलेज में गरबा नृत्य का हुआ आयोजन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

एस.डी.ए.एम. महाविद्यालय में 'नवरात्रि' के अवसर पर पर गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गरबा की शुरुआत परंपरा अनुसार माता की आरती से की गई। गरबा में महाविद्यालय के सभी छात्र छात्राओं ने हर्ष उल्लास से गरबा किया। कॉलेज की छात्राओं ने बताया कि नवरात्रि आते ही सभी का मन खुशी से झूम उठता है क्योंकि नो दिन माता रानी की आराधना में समर्पित किए जाते है। गरबा की विशेषता इसमें हृदयभरी भावनाओं, भक्ति, और धार्मिक भावनाओं का समाहित कर देती है। गरबा एक पारंपरिक डांस फॉर्म हैं जिसे मातारानी को खुश करने के लिए किया जाता है। इस दौरान महाविधालय राष्ट्र के हित और उत्थान के लिए और सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए आराधना की।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में राष्ट्रीय कार्यक्रमों की मासिक समीक्षा बैठक

अनुपस्थित सीएचओ का वेतन काटने के अफसरों ने दिए निर्देश

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में बीते रोज सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में समस्त सेक्टर मेडिकल ऑफीसर, सेक्टर सुपर वाईजर, सी.एच.ओ. एवं एएनएम उपस्थित रहें। समीक्षा बैठक डॉ. दिनेश दहलवार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, तुमराम ठाकुर सांख्यिकी अधिकारी जिला नर्मदापुरम द्वारा की गई। इस दौरान समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों के शत-प्रतिशत लक्ष्य उपलब्धि हेतु निर्देशित किया गया जिनमें दस्तक, यूविन, एचएमआईएस, अनमोल, एडल्ड बी.सी.जी. जे.ई., सिकल सेल एनीमिया, आयरन प्लस सप्लीमेंटेशन, आईएचआईपी, एनव्हीबीडीसीपी, पोर्टल की समीक्षा की गई। इस दौरान सी.एच.ओ./एएनएम की कम उपलब्धि पाये जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये तथा अनुपस्थित सी.एच.ओ. का उक्त दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिये गये। बैठक में डॉ. जयसिंह कुशवाह बीएमओ, डॉ. कांति बाथम शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ, डॉ. पूनम गौर स्त्री रोग विशेषज्ञ, कविता चौधरी नर्सिंग इंचार्ज, अश्विनी जोसफ बी.ई.ई. इंदर हिरवे बी.पी.एम. एम.एल. तेकाम सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और अधिकारी उस्थित थे।

सिवनी मालवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीमराव अबेडकर की सभा हाल में जैसे ही पत्रकारों को पता चला कि जिला स्वास्थ्य अधकारी सिवनी मालवा में एक मीटिंग ले रहे हैं इसी दौरान नगर के पत्रकार भी वहां पर पहुंच गए पत्रकारों को अस्पताल की ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा करना थी जैसे की अस्पताल की लैब में गलत रिपोर्ट दी जा रही हैं,अस्पताल में दवाइयां की कमी,सहित डॉक्टरों की कमी के अलावा अन्य मुद्दों पर सीएमएचओ से चर्चा करना था इस बात के लिए उन तक दो-तीन बार खबर भी पहुंचाई गई लेकिन वह अपनी मीटिंग और नाश्ते में व्यस्त रहें इसके अलावा वही दो स्वास्थ्य महिला कर्मीओ द्वारा भी अपनी-अपनी समस्याओं से उनको अवगत कराने के लिए मीटिंग समाप्त होने का इंतजार कर रही थी लेकिन मीटिंग समाप्त हो उससे पहले ही वह पिछले दरवाजे से कब निकल गए ना तो पत्रकारों को पता चला और ना ही उन महिला स्वस्थ कर्मचारियों को पता चला।

सीएमएचओ ने डेंगू एवं मलेरिया से बचाव के उपाय बताए

नर्मदापुरम। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश देहलवार द्वारा बताया गया कि, वर्तमान मे डेंगू मलेरिया के बचाव व नियंत्रण हेतु अपने घर परिसर और आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। अपने घर के सिंक, गमले, हौज आदि में साफ-सफाई रखें। इसके साथ ही घरों की छतों पर अटाला या गंदगी न होने दें। छत पर रखी पानी की खुली टंकियां, टूटे बर्तन, मटके, कुल्हड, गमलों में एकत्र जल में, बेकार फेकें हुए टायरों में एकत्र जल में, बिना ढंके बर्तनों में एकत्र जल में, कूलर में एकत्र जल में, किचन गार्डन में रूका हुआ पानी, गमले, फूलदान, सजावट के लिए बने फव्वारे में एकत्र जल मे।

डेंगू से बचाव के उपाय

डॉ देहलवार ने बताया कि डेंगू फैलाने वाले मच्छर रुके हुए पानी में पनपते हैं। इससे बचने के लिए टायर, प्लास्टिक कवर, फूल के बर्तन, पालतू जानवरों के पानी के कटोरे आदि जैसी चीज़ों को ढकें। इन मच्छरों के प्रजनन के लिए उपलब्ध आवास को कम करने (स्थिर पानी को खाली करने से) से डेंगू बुखार की रोकथाम में सहायता मिल सकती है। विशेष रूप से घनी आबादी और भीड़ वाले स्थानों में मच्छर निरोधकों का उपयोग करने से मच्छरों को आपसे दूर रखने में मदद मिल सकती है। कुछ क्षेत्रों की यात्रा करते समय, और यहां तक कि जब आप घर पर हों, तो भी अपनी त्वचा पर मच्छर प्रतिरोधी क्रीम लगाएं। मच्छरों के काटने से बचने के लिए लंबी बाजू के कपड़े और मोटे पैंट, मोज़े और सुरक्षित जूते पहनें। डेंगू बुखार की रोकथाम के आपके प्रयास में, मच्छरदानी के नीचे सोने से आपको मच्छरों के काटने से सुरक्षा मिल सकती है। रुके हुए पानी में मच्छर पनपते हैं। फूलों के बर्तनों को खाली करें, अपने पालतू जानवर के पानी के कटोरे को साफ करें और बदलें, अपने घर के अंदर किसी भी पानी के पौधे को रखने से बचें, सुनिश्चित करें कि पानी से भरा हुआ हर बर्तन ढका हुआ हो।

9 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी मासिक समीक्षा बैठक

नर्मदापुरम। संभागायुक्त के जी तिवारी की अध्यक्षता में 9 अक्टूबर 2024 बुधवार, को विभिन्न विभागों की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक के प्रथम सत्र में किसान कल्याण एवं कृषि विकास, सहकारिता, मार्कफेड (विपणन संघ), मत्स्य, उद्यानिकी, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग की तथा द्वितीय सत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग विभाग, खादी ग्रामोद्योग, कुटीर, रेशम, एवं खेल एवं युवा कल्याण विभागों से संबंधित योजनाओं एवं अन्य विभागीय कार्य प्रगति की समीक्षा की जाएगी।सर्व संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि बैठक से संबंधित आवश्यक जानकारी के साथ नियत समय, तिथि तथा सत्रानुसार बैठक में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

म.प्र.रक्तमित्र इटारसी वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन से सम्मानित

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश रक्तमित्र इटारसी , व शरद फाउंडेशन के संचालक इंजी शशांक राजपूत ने बताया कि कोरोना काल मे 23 मार्च 2021 को शहीद दिवस के अवसर पर संवेदना कैम्पिंग के तहत निफा नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम आर्टिस्ट एंड एक्टिविस्ट के द्वारा पूरे भारत देश में 1500 सो से ज्यादा रक्तदान शिविर लगाकर 1लाख से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित किया गया था साथ मध्यप्रदेश में भी ये आयोजन किया गया था जिसमे नर्मदापुरम जिले के म.प्र.रक्तमित्र इटारसी के संस्थापक संचालक इंजी.शशांक राजपूत के द्वारा महात्मा गांधी महाविद्यालय इटारसी में रक्तदान शिविर का आयोजन कर 74 यूनिट रक्त एकत्रित कर इस

आयोजन में अपना सहयोग प्रदान किया गया था। न्यू मार्केट के पास, भोपाल में इंटरनेशनल लाइफ सेवर अवार्ड सेरेमनी का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था की ओर से इंजी.शशांक राजपूत को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन,लाइफ सेवर अवार्ड, मेडल पहनाकर, पुष्पगुच्छ प्रदान निफा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रितपाल सिंह पन्नू ने सम्मानित किया गया।

मेट्रो एंकर नपाध्यक्ष ने नागरिकों से किया बारात में शामिल होने का अनुरोध

श्रीराम ने तोड़ा धनुष, कल निकाली जाएगी श्रीराम की बारात

श्री द्वारिकाधीश मंदिर से शाम 6 बजे निकाली जाएगी राम बारात

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में चल रहे श्रीराम लीला दशहरा उत्सव के अंतर्गत आज धनुष यज्ञ का आयोजन किया। सोमवार को श्री द्वारिकाधीश मंदिर से श्रीराम बारात निकाली जाएगी। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने नागरिकों से श्रीराम बारात में शामिल होने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि श्री राम बारात में मुख्य आकर्षण का केंद्र निमाड़ का प्रसिद्ध काठी नृत्य टीम और जबलपुर की दुलदुल घोड़ी रहेगी।

श्री वृंदावनधाम के बालकृष्ण रामलीला मंडल के कलाकारों द्वारा सीता स्वयंवर का मंचन किया। मिथिला के राजा जनक की ओर से आयोजित सीता स्वयंवर में लंकापति रावण समेत दूसरे राजा धनुष नहीं उठा सके तो सभा में सन्नाटा छा गया। राजा जनक ने कहा कि यह पृथ्वी वीरों से हीन हो गई है, राजा जनक की यह बात सुनकर लक्ष्मण क्रोधित होकर बोले जहां रघुवंश का एक भी व्यक्ति मौजूद हो, वहां इस तरह की बातें नहीं की जातीं। यदि गुरु की आज्ञा पाऊं तो पूरे ब्राह्मांड को उठाकर कच्चे घड़े की तरह फोड़ डालूं। तब लक्ष्मण को राम शांत करते हैं। इसके बाद गुरु महर्षि विश्वामित्र ने श्रीराम को राजा जनक का संताप दूर करने के लिए धनुष उठाने के लिए भेजा। भगवान राम के हाथ धनुष टूटा तो पंडाल में बैठे दर्शकों ने जय श्रीराम के जोरदार जयकारे लगाए। उधर, शिव धनुष टूटते ही शिव भक्त परशुराम का दरबार में प्रवेश होते हैं। जनक ने अयोध्या नरेश राजा दशरथ को मिथिला आने के लिए निमंत्रण भेजा। राजा दशरथ और उनके पुत्रों का मिथिला में स्वागत किया गया।

धनुष यज्ञ एवं लक्ष्मण परशुराम संवाद का मंचन श्रीराम लीला मंडल के स्वामी श्यामसुंदर शर्मा छोटे महाराज के निर्देशन में कुशल पात्रों द्वारा किया गया। यहां सीता स्वयंवर में भगवान राम द्वारा शिव धनुष भंग का समाचार मुनि परशुराम को क्रोधित कर देता है। श्रीराम आगे आकर कहते हैं कि इस धनुष को आपके ही किसी दास ने तोड़ा होगा। वह स्वयं को मुनि का सेवक बताते हैं तो परशुराम बिफर उठते हैं कि सेवक वह होता है, जो सेवा करता है। इसने यह धनुष तोड़ा है वह तो मेरा परम शत्रु है। लक्ष्मण परशुराम संवाद के बाद श्रीराम किसी तरह से परशुराम का क्रोध शांत करते हैं और उनको आशीर्वाद देते हैं।

सोमवार को निकलेगी श्रीराम बारात

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि सोमवार 7 अक्टूबर को श्री द्वारिकाधीश मंदिर परिसर से शाम 6 बजे भगवान श्रीराम के साथ चारों राजकुमारों की बारात निकाली जाएगी। बारात पुराने फल बाजार, आठवी लाइन, सराफा चौक, नीमवाड़ा होकर जयस्तंभ, आरएमएस आफिस के सामने से होकर श्रीराम लीला स्थल गांधी मैदान पहुंचेगी। यहां श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का विवाह होगा। उन्होंने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में श्रीराम बारात में शामिल होने का अनुरोध किया है।

पुरानी इटारसी की रामलीला में पहुंचे सांसद

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने पुरानी इटारसी के वीर सावरकर मैदान में चल रही श्री जगदंबा रामलीला मंडल के रामलीला मंचन में पूजन करके शुभारंभ कराया। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत सहित अनेक जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। आज रविवार को श्री जगदंबा मंडल मैहर के कलाकारों ने यहां दुष्ट राजा-साधु राजा संवाद, रावण-वाणासुर संवाद, जनकराज का पश्चात और लक्ष्मण के क्रोध तक रामलीला का मंचन किया। कल सोमवार को यहां धनुष यज्ञ और लक्ष्मण परशुराम संवाद का आयोजन होगा और मंगलवार को श्री देवल मंदिर परिसर से भगवान श्रीराम की बारात निकाली जाएगी।

नर्मदा कॉलेज में मद्य निषेध सप्ताह पर नुक्कड़ नाटक से नशा मुक्ति का दिया सन्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय नर्मदा कालेज में मद्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत एनसीसी के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। जिसमे कैडेट्स द्वारा मद्यपान के विरोध में संदेश दिया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ कमल वाधवा ने विद्यार्थियों से कहा कि समाज के हर सदस्य को नशामुक्ति के प्रति जागरूक होना चाहिए।

खासकर युवाओं को गुटका, तंबाकू और अन्य नशे से दूर रहना होगा। कालेज के बाहर एन सी सी प्रभारी डॉ यास्मीन खान की उपस्थिति में हुए इस नाटक को सराहा गया। रश्मि बनवारी, प्रियांबिका जाट, अजय इवने, सुमित, स्नेहा, विजय प्रशांत बानिया सहित अनेक विद्यार्थियों ने नाटक की प्रस्तुति दी।

लटेरी में बेखौफ चल रहा सटटा व जुआ,जिम्मेदार बने हैं मौन !

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

लटेरी में काफी समय से बेखोप सट्टा व जुआ चल रहा है। समाज में यह बुराई कैंसर की तरह फैलती जा रही है। यदि समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो यह नासूर बन जाएगी जो समाज के लिए हानी कारक होगी जिसके दुस परिणाम भी भयंकर तरीके से सामने दिखने लगेंगे। अभी तो छोटी छोटी चोरियां व अन्य घटनाएं सामने आ रही है। बाद में यही विकराल रूप धारण कर लेंगी।

क्रिकेट का सेशन सट्टा भी जोरों पर

लटेरी में क्रिकेट का सेशन सट्टा भी जोरों पर चल रहा है इस सामाजिक बुराई वाले सट्टे के खेल में कई युवा लगे हुए हैं जो अन्य युवाओं को बिगाड़ने का खेल बखूबी जुम्मेदारी से निभा रहे हैं और मोटी कमाई कर रहे हैं। इस खेल में उसके माध्यम से मोबाइल टू मोबाइल सट्टा खेला जाता है जिसमे लटेरी के कई युवा लिप्त हैं। यह भी कार्यवाही करने वाले जिम्मेदारों को नहीं दिख रहा या फिर यहां भी कमीशन है।

जुआ भी जोरों पर

लटेरी में इस समय जुआ भी काफी जोरों पर चल रहा है जिसे कुछ लोगों के घरों में बाड़ों में तलघरो में और लटेरी के जंगलों में काफी जोर से जुआ चल

रहा है। इन सभी सामाजिक बुराइयों को जिम्मेदार मोन होकर देख रहा है। इनको पकड़ने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। जब कभी ऊपर से दवाब पड़ता है तो एकाद छोटी कार्यवाही करके अपना पल्ला झाड़ लेते हैं और बांकी सारा कार्य यथावत चलता रहता है। जब तक बड़ी बड़ी मछलियों को नहीं पकड़ा जाएगा तब तक यह खेल ब दस्तूर चलता रहेगा। बड़ी मछली से मतलब उन आकाओं का है जिनपर कमीशन एजेंट उतारी करते हैं।

नगर सब्जी मंडी बनी सट्टे की मंडी

यहां सुबह तो सब्जी मंडी लगती है पर दोपहर से सटोरिये सक्रीय हो जाते हैं और शाम तक उन्ही की बल्ले बल्ले रहती है जो कि पुलिस थाने के पास में ही मोजूद है फिर भी इनको किसी का खौफ नहीं है इसके अलावा पोस्ट ऑफिस का एरिया, कपड़ा बाजार का कुछ एरिया, बस स्टेंड का एरिया चौराहे पर पुलिस चौकी का एरिया, व्यर हाउस तिराहे का एरिया, इसके अलावा और भी जगह हैं। जहा पर सट्टा काफी लोग लेते हैं और अपने बड़े बड़े आकाओं के पास जाकर उतारी करते हैं और उनसे अपना कमीशन लेकर मजे करते हैं। इनपर नकेल कसने वाले जिम्मेदार मोन बैठे हैं। उनकी नाक के नीचे यह सारा खेल चल रहा है उनको पता नहीं हे या फिर उनका भी कमीशन है।

सिरोंज में चोरी छुपे चल रहा है सट्टा

सूत्रों के अनुसार सिरोंज में टाकिज चोराहे के आस-पास, कोर्ट गेट के आस-पास, पुराने बस स्टेंड के आस-पास सटोरिये सट्टे की पर्चियां देते नजर आ रहे है जिम्मेदार अधिकारियों की इसकी अभी तक भनक क्यूँ नहीं लगी यह सवाल उठता है।

महामाई मैया के तीन स्वरूप के हो रहे हैं दर्शन

नवरात्रि की धूम, झांकियों में दर्शनों के लिए देर रात तक पहुंच रहे श्रद्धालु

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों मैं मा भगवती की आराधना भक्ती भाव से की जा रही है। नवरात्रि का उत्सव मनाया जा रहा है नगर में 60 से अधिक स्थानों पर एक से बढ़कर एक प्रतिमा जगत जननी की विराजमान है जहां पर सुबह-शाम विशेष आरती होती दूसरी और झांकियां में भक्ती भाव से ओतप्रोत धार्मिक कार्यक्रम भी हो रहा है।

आरती के बाद प्रसादी के बाद प्रसादी वितरण में किया जाता है।शहर में एक से बढ़कर एक प्रतिमा विराजमान है माता रानी के अलग-अलग स्वरूपों के दर्शन करने के लिए देर रात तक श्रद्धालुओं की चहल पहल रहती है पूरा नगर माता रानी की भक्ती में लीन नजर आ रहा है। वहीं इमलानी रोड पर काली माता के भव्य विराट स्वरूप की प्रतिमा विराजमान है। माता रानी का यह दृश्य भी देखते ही बन रहा इसके अलावा मंदिरों में माता रानी को जल चढ़ाने के लिए भी भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लग रही है। इसके अलावा ग्रामीण अंचलों में भी उत्साह पूर्वक आयोजन हो रहे हैं।

महामाई पर भी लग रही है भक्तों की भीड़

नगर की आराध्य देवी मां महामाई के दरबार में माता रानी के दर्शन करने और रात्रि आठ बजे होने वाली संगीतमय आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच का धर्म लाभ ले रहे हैं यज्ञ भी हो रहा है। महामाई माता जी तीन रूपों में भक्तो को दर्शन प्रदान करती है। जिसमे मां महालक्ष्मी, मां महासरस्वती, एवं महाशक्ति के रूप में विराजमान है। मैया के उत्सव को लेकर मंदिर समिति द्वारा भी आकर्षक सजावट की गई है रात्रि में यहां का दृश्य दूर से ही नजर आता है। मंदिर समिति तथा प्रशासन के द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्था की गई है।

क्षेत्र की सुख शांति के लिए हो रहा है यज्ञ

शारदीय नवरात्रि में श्री चामुंडा महायज्ञ भी मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित नलिनीकांत शर्मा के मार्गदर्शन में मैया के दरबार में परंपरागत रूप से क्षेत्र की सुख समृद्धि एवं जनकल्याण के लिए हो रहे श्री चामुण्डा दुर्गा महायज्ञ में यजमानों द्वारा आहुतियां यज्ञ में छोड़ रहे हैं।इसके अलावा यज्ञ की परिक्रमा लगाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पर पहुंच रहे हैं।

दूर-दूर से आ रहे हैं श्रद्धालु पूर्व मंत्री ने करवाया विकास

माता रानी का जागृत दरबार पूरे प्रदेश में प्रसिद्ध है स्वर्गीय पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा ने मंत्री रहते हुए यहां की प्रसिद्धि को प्रदेश के अलावा देश में भी पहचान दिलाने के लिए पर्यटन विकास निगम, संस्कृति विभाग से भी यहां पर कई सुविधा उपलब्ध कराई गई है एक समय यहां पर जाने के लिए सही रास्ता भी नहीं था आज यहां पर पहुंचने के लिए कई रास्ते बन चुके हैं, रुकने के लिए भी सुविधा उपलब्ध है। श्रद्धालुओं को दर्शन में किसी भी तरह की परेशानी ना उसके लिए भी व्यवस्थाएं की गई है। यहां की मानता है कि जो भी भक्त है सच्ची श्रद्धा भक्ति भाव से प्रार्थना करता है तो उसकी माता रानी की कृपा से मन्नत भी पूर्ण हो जाती है । इसीलिए यहां पर दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचकर अपनी अर्जी भी लगा रहे हैं माता के अलग-अलग स्वरूपों के दर्शन भी श्रद्धालुओं को हो रहे हैं । इसके कारण सुबह से लेकर देर रात तक यहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने-जाने का सिलसिला लगा रहता है।

अग्रवाल सोशल ग्रुप में निकली ध्वज परिक्रमा यात्रा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अग्रवाल सोशल ग्रुप के द्वारा श्री अग्रसेन जयंती वर्ष 5148 उपलक्ष्य में एक कदम स्वास्थ्य समृद्धि शक्ति कि ओर महाराजा अग्रसेन पदयात्रा का आयोजन किया गया जिसमें अग्रवाल समाज जनों अपने हाथों में ध्वज लेकर परिक्रमा यात्रा मैं सम्मिलित हुए। परिक्रमा यात्रा प्रारंभ श्री गिरधारी अग्रसेन मंदिर से होते हुए सतखनी ,मदनमोहन पथ, भूतेश्वर, चांदनी चौक मंशापूर्ण, जटाशंकर से होती हुई प्रथम पड़ाव कपालेश्वर महादेव मंदिर पर हुआ जहां यात्रा का स्वागत किया गया । भक्त माता के भजनों मैं लीन होकर 7 किलोमीटर का पैदल यात्रा तय करके डांगवाली महामाई मंदिर पहुंचे वहां माता को पान सुपारी ध्वज नारियल चुनरी अमानिया अर्पित कर पूजन आरती कि इसके पश्चात प्रसाद वितरित किया गया। यात्रा में दिनेश चंद्र गर्ग, कैलाश मंगल, अतुल गोयल, नितिन ,मंगल ,मुकेश सिंहल ,विट्टू गर्ग ,रूद्रांस गोयल, तनिषा गोयल सहित समाज जन उपस्थित थें।

चरनोई भूमि से अतिक्रमण हटाया गया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए निर्देशो के अनुसार जिले में अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया सतत जारी है। इसी कडी के तहत आज रविवार छह अक्टूबर को विदिशा अनुविभागीय क्षेत्र में चरनोई भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा ने बताया कि ग्राम गेंहू खेडी में चरनोई भूमि पर हुए अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही कर उक्त भूमि को मुक्त कराया गया है जिसका बाजार मूल्य लगभग 18 लाख रूपए है। एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा ने बताया कि विदिशा तहसील के ग्राम गेंहूखेडी में स्थित चरनोई भूमि सर्वे क्रमांक 125/1 एवं 126/1 कुल रकवा 1.056 हेक्टेयर पर स्थानीय व्यक्तियों द्वारा कब्जा कर लिया गया था जिसे आज राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में अतिक्रमण से विमुक्त कराने की कार्यवाही संपादित की गई हैं तहसीलदार डॉ अमित सिंह ने बताया कि सम्पूर्ण प्रक्रिया निर्विघ्न रूप से सम्पन्न हुई है अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि ग्राम सचिव को सुर्पुद की गई है।

नगर पालिका ने लिंक रोड से हटाया अतिक्रमण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

बासौदा नाके से लेकर छतरी चौराहे तक लिंक रोड मार्ग पर नाली का निर्माण होना है । अतिक्रमण होने के कारण नाली के निर्माण में परेशानी हो रही थी इसके बाद नगर पालिका प्रशासन ने सभी अतिक्रमण धारियों को एलाउंसमेंट करके सूचित किया था कि स्वयं अपना-अपना अतिक्रमण हटा ले जो नहीं हटाया उसके अतिक्रमण को नगर पालिका प्रशासन के द्वारा हटाने का कार्य किया जाएगा क्योंकि सड़क का चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है । इसके बाद शनिवार की रात्रि में 9 बजे के बाद नगर पालिका के अमले ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए जिन लोगों के पक्के अतिक्रमण थे उसको भी जेसीबी से तोड़ दिया। रविवार को सुबह चूना डलवा कर नाली निर्माण के लिए उसको खुदवान का काम भी ठेकेदार के द्वारा प्रारंभ कर दिया गया इससे पहले ठेकेदार ने अतिक्रमण धारियों को हटाने के लिए बोला था पर अधिकांश अतिक्रमण धारी दबंग लोग थे। उन्होंने दादागिरी दिखाते हुए ठेकेदार की अनदेखी कर दी थी इसके बाद ठेकेदार ने यहां पर काम करने से मना कर दिया था फिर एसडीएम के निर्देश पर नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की श्री साहू ने बताया कि हमने पहले ही सभी अतिक्रमणकारियों को सूचित कर दिया था उसके बाद जिन्हें नहीं हटाया उनका सामान जेसीबी से हटकर सड़क का चौड़ी करने का कार्य प्रारंभ करवा दिया।

कृषक जीवन कल्याण योजना के आर्थिक मदद जारी

सिरोंज। विदिशा मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के तहत एक प्रकरण में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने आर्थिक सहायता के आदेश जारी कर दिए है। जारी आदेशानुसार मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के तहत तहसील शमशाबाद के ग्राम जीरापुरा निवासी रामदायाल मैना उम्र 25 साल की कृषि कार्यो के दौरान करंट लगने से मृत्यु हो जाने पर मृतक के वारिस पिता कमल सिंह पुत्र अर्जुन मैना को चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता एवं अंत्येष्टि अनुदान रूपए चार हजार इस प्रकार कुल राशि चार लाख चार हजार रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

तत्काल प्रभाव से निलंबन की मांग को लेकर शिवसेना यूबीटी ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सीएम के नाम ज्ञापन सोंपा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा में जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर शिवसेना ने भारी संख्या में एकजुट होकर मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के नाम लिखित ज्ञापन सोंपा शासन की नई आबकारी नीति अनुसार विदिशा जिले का आबकारी ठेका भये वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये स्वास्तिक रिद्धी ट्रेडर्स के आ गया था। 01 अप्रेल 2024, से विदिशा जिले की सभी देशी, अंग्रेजी मदिरा की कम्पोजिट दुकानों पर का संचालन ठेकेदार द्वारा प्रारंभ किया गया था।

01 अप्रैल 2024 ठेका प्रारंभ होने के साथ ही आबकारी ठेकेदार द्वारा शासन के नियम विरुद्ध एम.आर.पी. एस.एस.पी प्रिन्ट रेट से अधिक दरों मदिरा विक्रय किये जाने पर यूबीटी जिला विदिशा ने दिनांक 15.05.2024 के नाम सम्बोधित ज्ञापन एम.आर.पी. ना यूबीटी जिला विदिशा ने जिला कलेक्टर विदिशा के माध्यम से जनता से की जा रही नियम विरुद्ध अवैध राशि विरोध करते हुये समुचित कार्यावाही किये जाने की मांग की थी।

मेट्रो एंकर अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित आदेश जारी

खाद बीज वितरण एवं भंडारण कार्य पारदर्शिता से करें : सिंह

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिले के कृषकों को खाद - बीज की प्राप्ति में कहीं विलंब ना हो के निर्देश प्रसारित किए हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को जारी जारी आदेश में उल्लेख है कि कार्य क्षेत्रों की खाद व बीज वितरण करने वाली शासकीय एवं निजी विक्रेताओं के द्वारा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए इसके लिए औचक निरीक्षण की व्यवस्थाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर की जाने वाली कार्यवाही कि समुचित जानकारियां जिला मुख्यालय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में खाद एवं बीज की नियमित उपलब्धता बनाये रखने के लिए किए गए प्रबंधों का हवाला देते हुए कहा है कि जिले में कृषकों को रबी उपार्जन 2024-25 अन्तर्गत खाद एवं बीज की नियमित उपलब्धता बनाये रखने हेतु अपने - अपने कार्य क्षेत्रान्तर्गत की सभी सेवा सहकारी समिति एवं प्राथमिक साख सेवा सहकारी समिति तथा निजी विक्रेताओं को खाद एवं बीज नियमित रूप से उपलब्ध होकर

समयावधि में पारदर्शिता के साथ वितरण कराना आवश्यक है। कलेक्टर ने क्षेत्रान्तर्गत खाद वितरण समितियों एवं निजी दुकानों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाकर स्टॉक मिलान भी किया जाकर किसी प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर जिला कार्यालय को अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

सोयाबीन उपार्जन हेतु किसान पंजीयन जारी 20 अक्टूबर तक किए जाएंगे पंजीयन

सिरोंज। विदिशा खरीफ उपार्जन वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर सोयाबीन के लिये किसान पंजीयन 20 अक्टूबर 2024 तक किये जाएंगे। जिले में अब तक 349 किसानो के द्वारा सोयाबीन फसल को समर्थन मूल्य पर विक्रय हेतु जिले के पंजीयन केन्द्रो पर पंजीकृत कराया गया है।

कृषक बंधुओ से अधिक से अधिक पंजीयन कराने की अपील

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक केएस खपेड़िया ने किसान भाईयों से अपील है कि पंजीयन की निशुल्क व्यवस्था जैसे - स्वयं के मोबाईल एमपी किसान एप के माध्यम से एवं सहकारी समिति कार्यालय द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रो पर करा सकेंगे इसके लिए विदिशा में 11, विदिशा नगर में एक, बासौदा आठ, त्योंदा में पांच ग्यारसपुर चार, गुलाबगंज चार, कुरवाई दस, पठरी तीन, नटेरन सात, शमशाबाद सात, सिरोंज 18 लटेरी सात कुल 85 पंजीयन केन्द्रों पर किये जा रहे हैं। पंजीयन की सशुल्क 50 रूपये के साथ जैसे - एमपी ऑनलाईन, कियोस्क, लोक सेवा केन्द्रों एवं कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क पर निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर भी किये जा सकते हैं। कृषक भाई अपनी उपज का पंजीयन कराने से पहले आधार नंबर से बैंक खाता एवं मोबाईल नंबर को लिंक आवश्यक रूप से करा लें। अधिक जानकारी हेतु कंट्रोल रूम दूरभाष क्रमांक 07592-233153 रहेगा। अतः किसान भाईयो से अपील है कि अपनी सोयाबीन फसल का अधिक से अधिक पंजीयन करावें।

युवा टीम इंडिया के सामने कमजोर पड़ा बांग्लादेश

भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है, दूसरा मुकाबला 9 अक्टूबर को दिल्ली में खेला जाएगा

ग्वालियर. एजेंसी

भारत की युवा टीम पहले टी-20 में बांग्लादेश पर कुछ ज्यादा ही भारी पड़ी। ग्वालियर के माधवराव सिंधिया स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। युवा बॉलिंग अटैक के सामने बांग्लादेश 19.5 ओवर में 127 रन बनाकर ही सिमट गया। भारत ने फिर 11.5 ओवर में 3 ही विकेट खोकर आसानी से टारगेट हासिल कर लिया। भारत के लिए गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती ने 3-3 विकेट लिए। बैटिंग में हार्दिक पंड्या ने महज 16 बॉल पर 39 रन की पारी खेली, उन्होंने एक विकेट लेने के साथ 2 कैच भी पकड़े। कप्तान सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन ने 29-29 रन बनाए। मेहदी हसन मिराज ने आखिर में टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन वह भी स्कोर को ज्यादा दूर तक नहीं ले जा सके। वह 35 रन बनाकर नॉटआउट रहे, लेकिन उनके सामने टीम 127 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। भारत से अर्शदीप और वरुण ने 3-3 विकेट लिए। हार्दिक, मयंक यादव और वॉशिंगटन सुंदर को 1-1 सफलता मिली। 1 बैटर रनआउट भी हुआ। बांग्लादेश ने 100 रन के अंदर ही 7 विकेट गंवा दिए थे।

हार्दिक ने सिक्स मारकर जिताया

भारत ने बांग्लादेश को पहले टी-20 मैच में 7 विकेट से हरा दिया। ग्वालियर में खेले गए इस मुकाबले को हार्दिक पंड्या ने सिक्स मारकर टीम को जीत दिलाई। पंड्या ने 5वीं बार ऐसा किया। इस मामले में हार्दिक ने विराट कोहली को पीछे छोड़ा। कोहली ने 4 बार टीम इंडिया को सिक्स से जीत दिलाई है। सोमवार रात माधवराव सिंधिया इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने 128 रन का टारगेट 49 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। भारत-बांग्लादेश पहले टी-20 के दौरान कई रोचक मोमेंट्स देखने को मिले। मुकाबले के दौरान हार्दिक पंड्या नो-लुक शॉट खेला। एक अन्य शॉट खेलते समय उनके हाथ से बल्ला भी छूट गया। इस मुकाबले को भारत ने 7 विकेट से जीता। बांग्लादेश से मुस्तफिजुर रहमान और मेहदी हसन मिराज को 1-1 विकेट मिला। एक बैटर रनआउट भी हुआ। पहला टी-20 जीतकर भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है, दूसरा मुकाबला 9 अक्टूबर को दिल्ली में खेला जाएगा।

प्लेयर ऑफ द मैच

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता, उन्होंने 3.5 ओवर में महज 14 रन देकर 3 विकेट लिए। अर्शदीप ने ही पहले ओवर में लिटन दास का बड़ा विकेट लेकर बांग्लादेश को दबाव में डाला था। अर्शदीप ने फिर अपने दूसरे ओवर में बांग्लादेश के दूसरे ओपनर परवेज हसन इमोन को भी बोल्ड कर दिया था। उन्होंने फिर 20वें ओवर मुस्तफिजुर रहमान को बोल्ड कर बांग्लादेश को 127 रन के स्कोर पर समेटा।

जीत के हीरो

हार्दिक ने 16 गेंद पर 39 रन बनाकर टीम को जीत के पार पहुंचाया। उन्होंने 4 ओवर बॉलिंग भी की और महज 26 रन देकर एक विकेट लिया। इतना ही उन्होंने 2 कैच भी पकड़े। 128 रन के टारगेट के सामने भारत ने बहुत तेज शुरुआत की। टॉप ऑर्डर में अभिषेक शर्मा ने 7 गेंद पर 16, संजू सैमसन ने 19 गेंद पर 29 और सूर्यकुमार यादव ने 14 बॉल पर 29 रन बनाकर बांग्लादेश पर दबाव रखा। वरुण चक्रवर्ती ने बांग्लादेश ने पावरप्ले में 2 विकेट गंवाने के बाद अपनी पारी संभाल ली थी। तभी 7वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने विकेट लेना शुरू कर दिया। उन्होंने एक के बाद एक 3 बांग्लादेशी बैटर्स को पवेलियन भेजा।

शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट

शेल्टन ने शापोवालोव को सवा घंटे में दी शिकस्त

शंघाई. एजेंसी

अमरीकी बेन शेल्टन ने प्रमुख टूर्नामेंटों के शुरुआती दौर में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने कनाडाई क्वालीफायर डेनिस शापोवालोव को 6-3, 7-5 से हराकर शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। इस सीज़न में तीसरी बार बेन और परिचित प्रतिद्वंद्वी के बीच मुकाबला एक घंटे, 17 मिनट तक चला। बेन मुकाबले में आक्रामक खेले।

फिल्स या कार्बेल्स से होगा मुकाबला

जीत के साथ शेल्टन 21वें वरीय आर्थर फिल्स या स्पेन के रॉबर्टो कार्बेल्स बेना के खिलाफ संभावित तीसरे दौर के मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। अंतिम 16 में जानिक सिनर के साथ शंघाई में संभावित रीमैच की संभावना है। पिछले साल शंघाई में ही शेल्टन ने आमने-सामने के मैच में रोमांचक तीसरे सेट के टाई-ब्रेक में सिनर को हराया था।

कोर्ट पर जो हुआ उससे हैरान हूं...

शेल्टन ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि कुछ प्रवृत्तियां और चीजें जिनकी मुझे उम्मीद थी, आज मैंने उन्हें बदल दिया। मैं कोर्ट पर थोड़ा और शांत और केंद्रित होने की कोशिश कर रहा हूं।

बेन स्टोक्स चोट से नहीं उबरे, खेलने पर अब भी सस्पेंस

नई दिल्ली. एजेंसी

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स का पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान में सात अक्टूबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में खेलने पर अभी सस्पेंस बना हुआ है। स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। फिलहाल, उनकी जगह ओली पोप टीम की कमान संभाल रहे हैं। इंग्लैंड के अभ्यास सत्र के बाद सलामी बल्लेबाज जैक क्राउली ने कहा, मुझे लगता है कि उसे कुछ और टेस्ट से गुजरना होगा, लेकिन वह पहले से काफी बेहतर नजर आ रहा है। दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने कहा कि वह अपनी चोटिल अंगुली की सुरक्षा के लिए इस सीरीज में स्लिप में फील्डिंग नहीं करेंगे, जिसमें पहले फ्रैक्चर हो गया था। मैंने निश्चित रूप से गेम को मिस किया है, अब मैं टीम के साथ हूं।

मैगुएल ने 90वें मिनट में गोल कर मैनचेस्टर यूनाइटेड को बचाया

पोर्टो (पुर्तगाल). एजेंसी

इंग्लैंड के दिग्गज फुटबॉलर हैरी मैगुएल ने इंजुरी टाइम (90 प्लस) में शानदार गोल करके यूरोपा लीग मुकाबले में घरेलू क्लब पोर्टो के खिलाफ टीम को हार से बचा लिया। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने पोर्टो के साथ यह मैच 3-3 से ड्रॉ करा लिया। यूरोपीयन लीग के मैचों में मैनचेस्टर यूनाइटेड को पिछले पांच मैचों से जीत नसीब नहीं हुई है। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने तीन ड्रॉ खेले और दो में उसे हार का सामना करना पड़ा। इनमें से दो मैचों में वह दो गोल की बढ़त हासिल करने के बावजूद जीत दर्ज नहीं कर सकी।

मोहम्मद साराह के साथ अनुबंध करना चाहता है पीएसजी: शीर्ष फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) मिस्र के अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद साराह के साथ अनुबंध करना चाहता है। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे के रियाल मैड्रिड जाने के बाद से पीएसजी उनकी भरपाई नहीं कर पाया है। ऐसे में पीएसजी अब मो. साराह पर दांव लगाना चाहता है, जो अभी लिवरपूल के लिए खेलते हैं। साराह का लिवरपूल के साथ करार इस सीजन के अंत में खत्म हो रहा है। पुर्तगाल का क्लब पोर्टो पिछले सात मैचों में मैनचेस्टर यूनाइटेड को हरा नहीं सका है। पिछले सात मैचों में उसने मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ तीन ड्रॉ खेले हैं और चार हारे हैं। पोर्टो की ओर से इस मैच में पेपे ने 27वें मिनट में जबकि सामु ओमरदीन ने 34वें और 50वें मिनट में गोल दागा।

कंपनियों को ई-वाहनों की बैटरी समेत पार्ट्स पर भी देनी होगी वारंटी

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली. एजेंसी

पीएम-ई ड्राइव योजना में प्रोत्साहन के साथ वारंटी पर जोर है। अधिसूचना में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी समेत अन्य पार्ट पर व्यापक वारंटी देनी होगी। वारंटी के न्यूनतम मानक भी निर्धारित किए गए हैं, जो हर कंपनी को अपनाने होंगे। पीएम-ई ड्राइव योजना के तहत अभी सिर्फ दोपहिया, ई-रिक्शा व ई-कार्ट और ई-तिपहिया एल-5 वाहनों पर सब्सिडी व वारंटी मिलेगी। ई-बस पर सीईएसएल के निर्धारित मानकों के हिसाब से वारंटी देना अनिवार्य किया गया है। ई-एंबुलेंस और ट्रकों के लिए न्यूनतम वारंटी से जुड़े नियम अभी निर्धारित किए जा रहे हैं। ईवी की संख्या तेजी से बढ़ाने के साथ अब सरकार का ध्यान वाहनों की क्षमता पर है। इसके लिए तीन श्रेणी में आने वाले वाहनों की वारंटी को किलोमीटर और वर्ष (अवधि) के हिसाब से तय किया गया है।

अधिकारियों ने कहा, हम धीरे-धीरे वारंटी को व्यापक बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। ईवी को बढ़ावा देने के लिए शुरू फेम-1 योजना में वारंटी नहीं दी गई थी। उसके बाद फेम-2 में भी वारंटी की शर्तें तय नहीं थी, बाद में अधिसूचना अलग से जारी की गई, लेकिन इसमें बैटरी शामिल नहीं थी। पीएम ई-ड्राइव के तहत 40 लाख से कम की आबादी वाले नौ शहरों में 14,028 ई-बसों को चलाया जाना है। इन बसों की खरीद पर योजना के तहत सब्सिडी दी जानी है, जिसे कीमत के हिसाब से निर्धारित किया गया है। दो करोड़ रुपए से कम कीमत वाली बसों पर ही सब्सिडी दिया जाएगा। पीएम-ई ड्राइव योजना के तहत सरकार अब टू-व्हीलर्स, थ्री-व्हीलर्स चार्जिंग स्टेशन लगाने पर सब्सिडी देगी। फेम योजना में चार्जिंग स्टेशन लगाने के लिए सब्सिडी का प्रावधान नहीं था। पर पीएम-ई ड्राइव में चार्जिंग स्टेशन के लिए 2,000 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है। इसके तहत देशभर में 72,300 पब्लिक चार्र्जिंग स्टेशन लगाए गए हैं, जिनमें से 48,400 ईवी चार्र्जिंग स्टेशन टू-व्हीलर्स और थ्री-व्हीलर्स के लिए होंगे। वहीं 1800 चार्जिंग स्टेशन ई-बसों के लिए होगा।

सब्जियों की ऊंची कीमतों से वेज थाली महंगी

नई दिल्ली. एजेंसी

सब्जियां महंगी होने से सितंबर, 2023 के मुकाबले इस साल सितंबर में घर पर वेज थाली तैयार करने की लागत बढ़ गई, वहीं नॉन-वेज थाली की लागत घटी है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में सालाना आधार पर शाकाहारी थाली की कीमत में 11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि मांसाहारी थाली की लागत 2 फीसदी घटी है। हालांकि मासिक आधार पर वेज और नॉन-वेज थाली की लागत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सितंबर में घर पर एक शाकाहारी थाली तैयार करने की लागत 31.3 रुपए हो गए जो अगस्त में 31.2 रुपए थी। हालांकि इसकी लागत सितंबर 2023 में 28.1 रुपए थी। वहीं, मांसाहारी थाली तैयार करने की लागत सितंबर में 59.3 रुपए रही, जो सितंबर 2023 में 58.8 रुपए थी। यानी सालाना आधार पर नॉन-वेज थाली सस्ती हुई है।

महंगा होता जा रहा है प्याज: इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर फल एवं सब्जी थोक मंडी में प्याज की कीमतों में तेजी का वातावरण बना रहा। बताया जा रहा है कि आपूर्ति कम होने के साथ नई फसल की आवक में देरी से कीमतों में तेजी आ रही है। आलू में बेहतर खरीदी से भाव मजबूत रहे। मंडी में कुल प्याज की 30 हजार, आलू की 8 हजार व लहसुन की 11 हजार बोरी आवक हुई।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

आलिया भट्ट नहीं थीं 'डियर जिंदगी' के लिए पहली पसंद!

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जिगरा' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। अभिनेत्री यश राज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा की शूटिंग भी कर रही हैं। आलिया ने बहुत ही कम समय में खुद को बॉलीवुड के सुपरस्टार्स की लिस्ट में शामिल कर लिया। उन्होंने 'राजी', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी', 'डार्लिंग्स' जैसी बहुत सी फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मों ने उनकी जगह इंडस्ट्री में पक्की कर दी। अभिनेत्री ने शाहरुख खान के साथ 'डियर जिंदगी' में अभिनय किया। इस फिल्म में उन्होंने शानदार भूमिका निभाई। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए आलिया पहली पसंद नहीं थीं। इस बारे में खुद अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार के दौरान साझा किया। उन्होंने बताया कि वह डियर 'जिंदगी' के लिए गौरी की पहली पसंद नहीं थीं। गौरी शिंदे, जो श्रीदेवी के साथ 'इंग्लिश विंग्लिश' की सफलता के बाद वापसी कर रही थीं। उनके दिमाग में 'डियर जिंदगी' के लिए कोई और ही था। सीएनएन-आईबीएन के साथ बातचीत में अभिनेत्री से जब पूछा गया कि क्या उन्हें पता था कि वह इस फिल्म के लिए पहली पसंद नहीं थीं? साक्षात्कार के दौरान आलिया ने साझा किया कि शाहरुख खान और करण जौहर, जो फिल्म के निर्माता भी थे, उन्होंने गौरी को आलिया पर विचार करने के लिए मनाया, क्योंकि उन्हें लगा कि वह भूमिका के लिए बहुत छोटी नहीं दिखेंगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आलिया ने कहा, 'मुझे पता है कि पहले कोई और भी इस फिल्म के लिए राजी था और फिर इस बारे में बातचीत हुई कि शायद यह फिल्म मेरे पास आ सकती है। मुझे बस इतना ही पता है। अगली बात जो मुझे पता है, वह यह कि गौरी मेरे पास आईं और हम राजी हो गए। अब, मुझे नहीं पता कि वह राजी हुईं या नहीं, शायद इसलिए क्योंकि मैं भी छोटी थी, लेकिन यह ठीक है क्योंकि कभी-कभी आपके निर्देशक को चीजों को थोड़ा अलग तरीके से देखना पड़ता है।

कम उम्र में कास्टिंग काउच का शिकार हुई मदालसा

अनुपमा शो का हिस्सा रहीं मदालसा शर्मा इन दिनों शो छोड़ने पर सुर्खियों में हैं। रिपोर्ट्स ये भी रही हैं कि उनकी शो की लीड एक्ट्रेस रुपाली गांगुली से अनबन थी। इसी बीच अब एक्ट्रेस ने बताया है कि उनके साथ कास्टिंग काउच की कोशिश की गई थी। कई बार डायरेक्टर ने उन्हें डिनर पर घर बुलाया था। एक इंटरव्यू में मदालसा शर्मा ने कास्टिंग काउच का एक्सपीरियंस शेयर कर कहा है, मैंने जब भी ये एक्सपीरियंस किया है कि मेरी मीटिंग उस डायरेक्शन में नहीं जा रही जहां जाना चाहिए, तो मैं वहां से उठ जाती थी। मैं बस उठकर कह देती थी, थैंक्यू सर, आपने मुझसे डिस्कस किया, मैं आपको बताती हूं क्या करना है। इतना कहकर मैं उनकी ऑफिस से निकल जाती थी। आगे उन्होंने कहा है, बाद में बुरा लगता था कि ये सब नॉनसेंस चीजें क्यों होती हैं। क्यों सबको लगता है कि किसी से दोस्ती यारी बढ़ाने पर ही आपको फिल्म में काम मिल सकेगा। ये मेरे लिए सबसे घटिया तरह का काम है। मैं उस समय बहुत छोटी थी, तो मुझे इन चीजों से ज्यादा फर्क पड़ता था। अब अगर कोई ऐसे बात करे, तो मुझे पता है कि मुझे क्या जवाब देना है।

'चंदू चैंपियन' पिटा तो अभिनेता कार्तिक की आस बने रूह बाबा

फिल्म भूल भुलैया 3 इस साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। भूल भुलैया 3 में इस बार मंजुलिका के रूप में विद्या बालन की वापसी भी होने वाली है। कार्तिक आर्यन इस साल फिल्म चंदू चैंपियन में नजर आए। हालांकि, जून में रिलीज हुई उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत खास नहीं रही। कार्तिक के ट्रांसफॉर्मेशन, उनके अभिनय और मेहनत की जमकर सराहना हुई, लेकिन नोट बटोरने के मामले में चंदू चैंपियन पीछे रह गई। अब कार्तिक आर्यन फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच गजब का उत्साह है। वहीं, कार्तिक की आस भी इस फिल्म से बहुत ज्यादा बंधी हुई है और अब उन्होंने तमाम दावों का पिटारा खोल दिया है। कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्टर साझा किया है। इसमें उन्होने लिखा है कि इस सीजन की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में उनकी भूल भुलैया 3 नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है। फिल्म पूरे सप्ताह इस मामले में पहले पायदान पर रही है। कार्तिक का यह दावा साफ संकेत है कि अभिनेता को अपनी इस फिल्म से कितनी उम्मीदें हैं। साल 2022 में आई भूल भुलैया 2 ने कार्तिक के सितारे एकदम से बदल दिए थे और फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी। अभिनेता अब लोकप्रिय फ्रेंचाइजी की तीसरी कड़ी से भी कुछ ऐसे ही धमाल की आस लगाए बैठ हैं। फिल्म भूल भुलैया 3 का ट्रेलर जारी हो चुका है।

घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया

बैरसिया में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस का लाठीचार्ज, बलवा मॉक ड्रिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नवरात्रि उत्सव और दशहरे के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए देहात पुलिस ने रविवार को बैरसिया थाना परिसर में बलवा मॉकड्रिल का आयोजन किया। इसमें सभी थानों और रक्षित केंद्र के करीब 80 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक देहात प्रमोद कुमार सिन्हा ने बलवा मॉकड्रिल से पहले जवानों को संबोधित करते हुए बलवा ड्रिल परेड का महत्व बताया। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी सर्वप्रिय सिन्हा, मंजू चौहान संभाग, रक्षित निरीक्षक श्याम किशोर झरवडे, थाना प्रभारी समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। मॉकड्रिल के लिए पुलिस जवानों की अलग-अलग टीमें बनाई गई थी।

इसमें टियर गैस पार्टी, अश्रुगैस पार्टी, लाठी पार्टी, राइफल पार्टी, मेडिकल पार्टी, वाटर केनन समेत सभी पार्टियों को उनका काम समझाया गया। इस प्रकार की गई

फाइल फोटो

मॉकड्रिल प्रदर्शनकारी बने पुलिस कर्मचारी धान के समर्थन मूल्य को लेकर आंदोलन कर रहे थे। पुलिस टीम ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह उग्र होते हुए पथराव करने लगे। जानमाल के नुकसान की आशंका के चलते पुलिस ने पहले आवाज करने वाले टियर गैस छोड़े, लेकिन जब भीड़ शांत नहीं हुई तो आंसूगैस के गोले दागे गए। उसके बाद भी जब प्रदर्शनकारी नहीं माने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसाने पहुंचाने लगे तो मजिस्ट्रेट की अनुमति लेकर उन पर लाठी चार्ज किया गया। साथी ही फायर भी किए गए, जिससे प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल हुए। घायलों को तत्काल ही इलाज के लिए एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।

चाकूबाजी में युवक और अधेड़ व्यक्ति घायल

टीटी नगर इलाके में एक युवक और एक अधेड़ व्यक्ति के साथ मारपीट की गई। चाकू लगने से दोनों को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आनंद पासवान (19) बाणगंगा श्यामला हिल्स में रहता है और टीटी नगर इलाके में माली का काम करता है। शनिवार दोपहर करीब तीन बजे वह पलाश होटल से अपने घर जा रहा था। रास्ते में कमल, मनीष और टीटू बैठे हुए थे। मनीष ने आवाज लगाकर आनंद को रोका और तीनों उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। एक युवक ने छुरी निकालकर आनंद पर हमला किया, जिससे उसके दोनों तरफ कंधे, बांये हाथ की बाजू, सीधे हाथ की कलाई और बाएं पैर की पिंडली पर चोट आई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट और चाकूबाजी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। इधर, नार्थ टीटी नगर में रहने वाले अनीस कुरैशी (50) मजदूरी करते हैं। बीती चार अक्टूबर की रात करीब 11 बजे जुबेर उनके बारे में कुछ अफवाह फैला रहा था। उन्होंने जुबेर से अफवाह को लेकर बातचीत की तो वह गाली-गलौज करने लगा।

विभिन्न स्थानों से आधा दर्जन दोपहिया वाहन चोरी

शहर के विभिन्न इलाकों से बदमाश आधा दर्जन दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, लेकिन एक भी वारदात के आरोपियों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस के मुताबिक गुलाब उद्यान के सामने गोविंदपुरा से मंसूर खान, कोतवाली से सादिक हुसैन और सुल्तानिया रोड रायल मार्केट कोहेफिजा से इमरान खान की बाइक चोरी चली गई।

ड्रग्स मामला: फर्नीचर फैक्ट्री में नशे का कारोबार

पुलिस व उद्योग विभाग की कार्यशैली पर भी उठे सवाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी से सेटे औद्योगिक क्षेत्र बगरोदा में गुजरात एटीएस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की कार्रवाई में 1800 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत का मादक पदार्थ बरामद करने से हडकंप मचा हुआ है। इसमें स्थानीय पुलिस की लापरवाही भी उजागर हो रही है तो उद्योग विभाग के स्थानीय तंत्र की कार्यशैली भी सवालों से घिरी है। क्योंकि इतने बड़े मादक पदार्थ तस्करी की भनक पुलिस अधिकारियों की पूरी टीम को नहीं लगी। इधर, फैक्ट्री मालिक ने बिना पुलिस सत्यापन के गुजरात के एक शातिर मादक पदार्थ तस्कर को यह फैक्ट्री किराये पर दे दी। यहां से भारी मात्रा में अतिउत्तेजक मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स बरामद हुआ है। इस मामले में भोपाल और नासिक के दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। पुलिस उपायुक्त संजय अग्रवाल के मुताबिक ग्राम बगरोदा औद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्री फर्नीचर और लकड़ी के काम के लिए जयदीप सिंह कारखाने के लिए आवंटित हुई थी,उसके अभी तक सामने आया है कि एके सिंह ने यह जमीन को कोटरा सुल्तानाबाद निवासी अमित चतुर्वेदी के माध्यम से नासिक महाराष्ट्र निवासी सान्याल बाने के लिए किराये पर ली थी। फैक्ट्री मालिक ने किराये पर देने से पहले पुलिस सत्यापन भी नहीं कराया था और मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण कोई सूचना नहीं दी। प्राधिकरण के पास इस फैक्ट्री के पास सिर्फ इतनी जानकारी रही कि जमीन को फर्नीचर बनाने के नाम पर जमीन आवंटित की गई थी, उसके बाद फैक्ट्री लगी कि नहीं। इससे उनको कोई मतलब नहीं रहा।

कोलार में नाबालिग से चोरी के 2 स्कूटर बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार पुलिस ने एक नाबालिग से चोरी की दो स्कूटर बरामद किए हैं। जब्त हुई स्कूटरों की कीमत करीब एक लाख रुपए बताई गई। बालअपचारी ने अपने नाबालिग साथी के साथ मिलकर दो दिन पहले अलग-अलग स्थानों से दोनों स्कूटर चोरी किए थे। पुलिस उसके साथी की तलाश कर रही है। थाना प्रभारी संजय कुमार सोनी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि दो दिन पहले कोलार रोड स्थित गुड शेफर्ड कालोनी से चोरी हुई एक्टिवा स्कूटर के साथ एक नाबालिग बंजारी दशहरा मैदान के पास खड़ा हुआ है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो बताए गए हुलिए का नाबालिग लड़का के साथ मिला। पूछताछ करने पर उसने पहले तो पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन जब पुलिस ने सख्ती दिखाई तो अपने नाबालिग दोस्त के साथ दो दिन पहले गुड शेफर्ड कालोनी से स्कूटर चोरी करना स्वीकार लिया। बालअपचारी को हिरासत में लेकर पुलिस उसे थाने लेकर आई। यहां आगे पूछताछ पर बताया कि उसी दिन शाम करीब चार बजे दोनों दोस्तों ने मिलकर डीके-2 दानिशकुंज कोलार रोड से भी एक स्कूटर चोरी की थी।

एंबुलेंस लेकर ड्राइवर फरार, मामला दर्ज

भोपाल। बागसेवनिया पुलिस ने एक एंबुलेंस ड्रायवर के खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया है। आरोपी मरीज लेकर जाने का बोलकर एंबुलेंस ले गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। पुलिस के अनुसार पिपलिया पेंदे खां में रहने वाले मो. वाजिद एंबुलेंस चलवाने का काम करते हैं। कुछ दिनों पहले मुनव्वर नामक युवक को उन्होंने अपनी एंबुलेंस पर ड्रायवर रखा था। बीती 2 अक्टूबर को मुनव्वर एम्स अस्पताल से एक मरीज को लेकर जाने के लिए निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। वाजिद ने उसे कॉल किया तो उसका मोबाइल बंद था। काफी प्रयास करने के बाद भी जब ड्रायवर से संपर्क नहीं हुआ तो उन्होंने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

ऑटो में सफर के दौरान बैग से जेवरात चोरी, अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से चूनाभट्टी जा रहे एक व्यक्ति के बैग से आटो में बैठे बदमाशों ने जेवरात चोरी कर लिये। घर पहुंचकर जब बैग की चेन खुली मिली तो चोरी का पता चला। हबीबगंज पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आटो का नंबर पता लगाया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक ग्वालियर निवासी सूबेदार शर्मा रिटायर्ड कर्मचारी हैं। उनका बेटा भोपाल में चूनाभट्टी में रहता है। बीती तीन अक्टूबर की सुबह करीब छह बजे वह भोपाल एक्सप्रेस से पत्नी के साथ रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। चूनाभट्टी जाने के लिए उन्होंने एक आटो किराए पर लिया, जिसमें दो युवक पहले से बैठे हुए थे। कोलार रोड पर पहुंचने पर आटो में पहले से बैठे दोनों युवक कहने लगे कि उनका बैग रेलवे स्टेशन पर छूट गया है, इसलिए वापस स्टेशन चलना होगा।

रात एक बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

भोपाल। नवदुर्गा उत्सव और गरबा कार्यक्रमों के चलते शहर में खासतौर पर भेल इलाके में रात एक बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि भेल दशहरा मैदान और जम्बूरी मैदान में गरबा कार्यक्रमों के चलते काफी भीड़भाड़ हो रही है, जिसके कारण इस हेतु क्षेत्र में आवाजाही को प्रतिबंधित और नियंत्रित करना आवश्यक है। इन कार्यक्रमों के चलते रविवार से ही रात एक बजे तक पूरे इलाके में नो एंट्री रहेगी, जिससे भारी वाहन प्रवेश नहीं कर सकेंगे। यातायात पुलिस ने आम जनता से भी अनुरोध किया है कि यातायात नियमों का पालन कर व्यवस्था में सहयोग करें।

कोरल वुड्स कॉलोनी के सामने ट्यूटर की मौत, अज्ञात वाहन चालक पर एफआईआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

1 अक्टूबर की शाम हुआ था हादसा, निजी अस्पताल में दो दिन बाद हो गई थी मौत

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित कोरल वुड कॉलोनी गेट के पास 1 अक्टूबर की शाम ट्यूटर को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। उसे गंभीर अवस्था में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां करीब दो दिन चले इलाज के बाद दसवें दिन गुरुवार 3 अक्टूबर की दोपहर उसकी मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया था। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल और मुख्य सड़क लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस के अनुसार पूजा मैथिल पिता विष्णु प्रसाद मैथिल (29) महात्मा गांधी वार्ड, मंडीदीप रायसेन की थी। पूजा मिसरोद की कोरल वुड कॉलोनी में बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने आती थी। गत 1 अक्टूबर को भी वह ट्यूशन पढ़ाने के लिए कोरल वुड कॉलोनी पहुंची। शाम करीब छह बजे ट्यूशन छूटने के बाद वह गेट से बाहर निकली थी। उन्हें मंडीदीप जाने के लिए बस पकड़नी थी और वह मंडीदीप की ओर जाने वाली रोड पर पीछे से आ रहे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक चला रहा प्रदीप और पीछे बैठा श्रीराम दोनों को गंभीर चोट आई थी। दोनों को एंबुलेंस की मदद से एम्स में भर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान रविवार सुबह प्रदीप को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

बंधक बनाई महिला के ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना का प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद इलाके से रेस्क्यू की गई महिला के मामले में पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर ससुराल वालों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया है। फिलहाल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है और वह बयान देने की स्थिति में नहीं है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर निवासी किशनलाल साहू ने शनिवार को महिला थाने पहुंचकर शिकायत की थी। उन्होंने शिकायत में बताया कि उनकी बेटी रानू साहू का विवाह वर्ष 2006 में जहांगीराबाद निवासी योगेंद्र के साथ हुआ था। शादी के दो साल बाद ही ससुराल वालों ने मायके पक्ष से रिश्ता खत्म कर लिया और बेटी को मिलने नहीं दिया। पिछले दिनों उन्हें सूचना मिली कि उनकी बेटी और उसके दिखाई नहीं दे रहे हैं। इस शिकायत के आधार पर महिला थाना पुलिस ने कोलीपुरा स्थित एक मकान पर दबिश दी और तीसरी मंजिल स्थित कमरे से रानू का रेस्क्यू किया।

मेट्रो एंकर होशंगाबाद रोड स्थित मिलन रेस्टोरेंट के पास हुआ हादसा

ट्रक ने बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर, एक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित होशंगाबाद रोड पर मिलन रेस्टोरेंट के सामने ट्रक ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। हादसा शनिवार-रविवार की रात करीब 12 बजे के आसपास का है। हादसे में घायल युवकों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल ले जाया गया, वहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत नाजुक होने के कारण उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है। पुलिस आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार सुरेश धुर्वे मूलतः इछावर, जिला सीहोर के रहने वाले हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उनका भाई प्रदीप धुर्वे पिता रामस्वरूप धुर्वे (21) मिसरोद में इंडस टाउन में किराए से रहता था। प्रदीप बगरौदा औद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्री में नौकरी करता है।

शनिवार- रविवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे वह अपने दोस्त श्रीराम के साथ बाइक से इंडस टाइन आ रहा था। इस दौरान मिलन रेस्टोरेंट के पास मंडीदीप की

ट्रेन की चपेट में आकर दो लोगों की मौत

शाहपुरा इलाके में रहने वाले एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे खुदकुशी मान रही है। इधर, ऐशबाग इलाके में एक व्यक्ति की ट्रेन से टकरा कर मौत हो गई। वह ट्रैक पार करते समय हादसे का शिकार हुआ है। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार नितेश सिकरवार (28) मूलत- ग्वालियर का था। इन दिनों वह फिलहाल वह ईश्वर नगर बस्ती शाहपुरा में रहता था और प्रायवेट जॉब करता था। बीती रात करीब एक बजे स्टेशन मास्टर ने रेलवे लाइन शाहपुरा के पास एक व्यक्ति की लाश प?ी होने की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो युवक का शव बरामद हुआ। मृतक के दोस्त ने उसकी पहचान की। दोस्त ने पुलिस को बताया कि पिछले दिनों नितेश की नौकरी छूट गई थी, जिसके बाद से वह तनाव में था। अनुमान है कि इसी कारण उसने आत्महत्या की होगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022